॥ शुभ लाभ ॥

प्रीमियम जीवन कुंडली रिपोर्ट

की कुंडली

Kumar Kartikey

आपकी कुंडली तैयार है. आपका जन्म हुआ था **15 November 2019 at 01:52 PM. New Delhi, undefined, India**

मूल विवरण

जन्म विवरण

नाम	Kumar Kartikey
तिथि	15 November 2019
समय	01:52 PM
शहर	New Delhi
राज्य	
देश	India
अक्षांश	28.6138954
देशांतर	77.2090057
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	24.134678778678
सूर्योदय	6:43:11
सूर्यास्त	17:27:47

ज्योतिषीय विवरण

लग्न	कुम्भ
लग्न स्वामी	शनि
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
योनि	सर्प
गण	देव
नाड़ी	मध्य
राशि स्वामी	बुध
राशि	मिथुन
नक्षत्र	मृगशिरा
नक्षत्र स्वामी	मंगल
चरण	3
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
तिथि	कृष्ण तृतीया
युंज	पूर्व
तत्व	वायु
नाम का पहला अक्षर	का
पाया	लोहा

पंचांग विवरण

दिन	शुक्रवार
तिथि	कृष्ण तृतीया
नक्षत्र	मृगशिरा
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
सूर्योदय	06:43:11
सूर्यास्त	17:27:47
वैदिक सूर्योदय	06:47:19
वैदिक सूर्यास्त	17:23:40

राशि रिपोर्ट

मिथुन
तत्व: **वायु**
राशि स्वामी: **शासक ग्रह बुध**

Kumar Kartikey,, मिथुन राशि होने के नाते, आप बहुमुखी, जिज्ञासु और बेचैन ऊर्जा से भरपूर हैं। मिथुन राशि के प्रतिनिधि होने के नाते, आप आसानी से बदलाव के अनुकूल हो जाते हैं और एक साथ कई रुचियों को संतुलित रखते हैं। आपकी तीक्ष्ण बुद्धि, हास्य और संवाद करने की क्षमता आपको सामाजिक परिवेश में चमकाती है, जहाँ लोग आपके आकर्षण की ओर आकर्षित होते हैं। आप जीवन भर सीखने वाले व्यक्ति हैं, हमेशा नए विचारों और अनुभवों की खोज करते रहते हैं। कभी-कभी, अगर जीवन आपको नीरस लगे, तो आपका दोहरा स्वभाव अनिर्णय, असंगति या ऊब का कारण बन सकता है। आप उत्सुकता से परियोजनाएँ शुरू कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने से पहले ही उनमें रुचि खो सकते हैं। अपनी ऊर्जा को केंद्रित करके और अपने जुनून में गहराई से डूबकर, आप अपनी जिज्ञासा को स्थायी सफलता में बदल सकते हैं।

पंचांग विवरण

सप्ताह का दिन: **शुक्रवार**

Kumar Kartikey, शुक्रवार को जन्म लेने से आपको सफेद और हल्के रंग के कपड़े व वस्तुओं के प्रति रुझान रहेगा। आपको कृषि और जमीन-जायदाद के प्रति स्वाभाविक आकर्षण रहेगा। आप दूसरों की भावनाओं को जल्दी समझते हैं और उनका उत्तर देते हैं।

नक्षत्र: **मृगशिरा**

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तीसरे चरण में हुआ है, जिसके स्वामी मंगल हैं। यह आपको अत्यंत अभिव्यक्तिपूर्ण, सामाजिक और रचनात्मक बनाता है। आपके पास स्वाभाविक आकर्षण है और आप लोगों से आसानी से जुड़ने की क्षमता रखते हैं। आपकी कलात्मक प्रतिभा और सौंदर्य के प्रति प्रेम आपको लेखन, मीडिया, फैशन या संगीत जैसे क्षेत्रों की ओर आकर्षित करता है। हालांकि, उत्तेजना की निरंतर आवश्यकता कभी-कभी आपको निर्णय लेने में असमर्थ या विचलित कर सकती है। दृढ़ता विकसित करके और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहकर, आप अपनी रचनात्मकता को वास्तव में अर्थपूर्ण और सफल बना सकते हैं।

करण: **विष्टि**

विश्टि करण वैदिक ज्योतिष के 11 करणों में से एक है, जो विशिष्ट समयावधि को दर्शाता है और उस समय जन्मे व्यक्तियों के स्वभाव और व्यवहार को प्रभावित करता है। यह करण व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अलगाव से संबंधित है। विश्टि करण के तहत जन्मे व्यक्ति आमतौर पर स्वतंत्र स्वभाव के होते हैं। वे अपने रास्ते पर चलने पसंद करते हैं और अक्सर अकेले रहना पसंद करते हैं। उनमें कुछ हद तक आत्मकेंद्रितता हो सकती है, लेकिन जब वे निर्णय लेते हैं, तो उनका निर्णय मजबूत और सुविचारित होता है। विश्टि करण के तहत जन्मे लोग कभी-कभी उपेक्षित महसूस कर सकते हैं, लेकिन वे दूसरों से अलग रहना पसंद करते हैं और अपनी शर्तों पर जीवन जीते हैं।

योग: **सिद्ध**

आप सिद्धि योग में जन्मे हैं, आप प्रतिभा, अंतर्दृष्टि और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की शक्ति से संपन्न हैं। करियर, रिश्तों और व्यक्तिगत विकास में सफलता आपका साथ देती है, और आपको समृद्धि और आध्यात्मिक संतुष्टि दोनों प्रदान करती है। अपनी प्रतिभा का पोषण करके, आप अपनी सर्वोच्च क्षमता को पहचानते हैं और अपनी बुद्धिमत्ता और प्रचुरता से दूसरों को प्रेरित करते हैं।

महत्वपूर्ण चार्ट

लग्न चार्ट

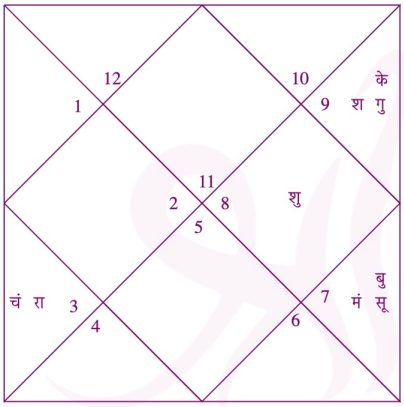

चंद्रमा चार्ट

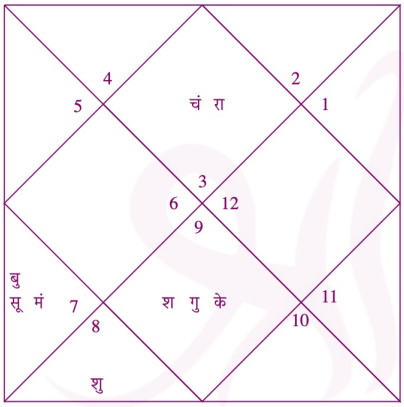

नवांश चार्ट

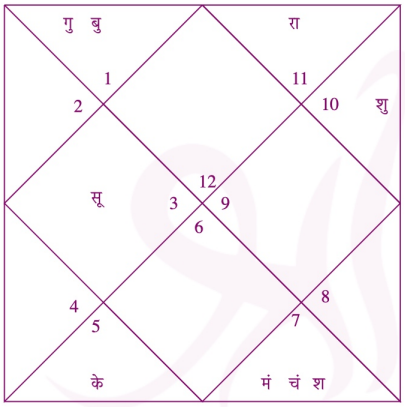

कुम्भ

राशि स्वामी: **शासक ग्रह शनि**

Kumar Kartikey दुनिया में आपके चलने के तरीके में कुछ ऐसा है जो अलग लगता है: ताज़गी भरा, यहाँ तक कि थोड़ा अप्रत्याशित भी। कुंभ लग्न होने के नाते, आप सिर्फ़ चलन का अनुसरण नहीं करते; आप अक्सर दूसरों से पहले ही देख लेते हैं कि क्या आने वाला है। आप ऐसे तरीके से सोचते हैं जो सामान्य से हटकर है, और आपका दिमाग उन संभावनाओं को तलाशने के लिए तैयार रहता है जिन्हें दूसरे नज़रअंदाज़ कर देते हैं। लोग अक्सर आपको दिलचस्प पाते हैं क्योंकि आपमें बुद्धिमत्ता, मौलिकता और शांत स्वतंत्रता का ऐसा मिश्रण है जिसे समझना मुश्किल है। आप अपनी आज़ादी को बहुत महत्व देते हैं, और आपको अपनी शर्तों पर जीने, सोचने और रचना करने के लिए जगह चाहिए। आप नए विचारों, जीने के नए तरीकों और ऐसी किसी भी चीज़ की ओर आकर्षित होते हैं जो उम्मीद से अलग हो। अपने मूल में, आप कुछ नया करने, बदलाव लाने और दूसरों को दुनिया को एक नए नज़रिए से देखने के लिए प्रेरित करने के लिए यहाँ हैं। आपका लग्न धनिष्ठा, शतभिषा और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्रों से जुड़ा है। स्थिर वायु ऊर्जा के साथ, आप अपनी दृष्टि में स्थिर होने के साथ-साथ विभिन्न दृष्टिकोणों को तलाशने के लिए पर्याप्त लचीले भी हैं। आप प्रगति के बारे में गहराई से सोचते हैं, चाहे वह आपके अपने जीवन में हो या समाज की बड़ी तस्वीर में।

प्रेम अनुकूलता के लिए कुम्भ लग्न

रिश्तों में, Kumar Kartikey आप स्वतंत्र, जिज्ञासु और ऐसे लोगों की ओर आकर्षित होते हैं जो आपकी तरह ही व्यक्तित्व का सम्मान करते हैं। आप ऐसे साथी के साथ फलते-फूलते हैं जो आपको आज़ादी देते हुए भी आपके साथ उद्देश्य और रोमांच की भावना साझा करता है। पारंपरिक, अत्यधिक कठोर रिश्ते वाली भूमिकाएँ शायद आपको रास न आएँ; आप आपसी सम्मान और निजी दूरी पर आधारित संबंध पसंद करते हैं। हालाँकि, भावनात्मक अभिव्यक्ति की बजाय मानसिक जुड़ाव को प्राथमिकता देने की आपकी प्रवृत्ति कभी-कभी आपके साथी को आपसे दूरी का एहसास करा सकती है। भावनात्मक निकटता को, चाहे छोटे-छोटे तरीकों से ही क्यों न हो, पोषित करने से आपके बंधन और भी गहरे हो सकते हैं और आपके रिश्ते और भी मज़बूत हो सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए कुम्भ लग्न

Kumar Kartikey आपके रक्त संचार तंत्र, टखने और पिंडलियों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता हो सकती है। चूँकि आपका मन हमेशा गतिशील रहता है, इसलिए आप तनाव या चिंता के शिकार भी हो सकते हैं, खासकर जब आप बहुत ज़्यादा काम कर लेते हैं या खुद को बहुत ऊँचे मानकों पर रखते हैं। नियमित शारीरिक गतिविधियाँ जो रक्त प्रवाह को बनाए रखती हैं, जैसे चलना, तैरना या साइकिल चलाना, आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा। तनाव कम करने वाले अभ्यास जैसे ध्यान, गहरी साँस लेना, या कुछ समय के लिए तकनीक से दूर रहना आपको स्थिर रहने में मदद कर सकते हैं। आपके लिए संतुलन सिर्फ़ शारीरिक नहीं है; यह आपके मन, शरीर और भावनाओं को सामंजस्य में रखने के बारे में है।

मानसिक गुणों के लिए कुम्भ लग्न

Kumar Kartikey आप एक दूरदर्शी व्यक्ति हैं जो स्वाभाविक रूप से "चीजों को हमेशा से जिस तरह से किया जाता रहा है, उस पर सवाल उठाते हैं।" आपका दिमाग तेज़, मौलिक और अपरंपरागत तरीकों से समस्याओं को सुलझाने के लिए तैयार है। आप उन पैटर्न और संभावनाओं को देखने में माहिर हैं जिन्हें दूसरे नज़रअंदाज़ कर देते हैं। कभी-कभी, आपकी आज़ादी आपको दूसरों से अलग महसूस करा सकती है, खासकर जब भावनात्मक स्तर पर जुड़ना मुश्किल हो। अपने व्यक्तिगत संबंधों में सहानुभूति विकसित करने और खुलेपन का अभ्यास करने से आपके विचार और भी प्रभावशाली बनेंगे, क्योंकि लोग न केवल आपके दृष्टिकोण का सम्मान करेंगे बल्कि उससे सच्चा जुड़ाव भी महसूस करेंगे।

शारीरिक गतिविधि के लिए कुम्भ लग्न

Kumar Kartikey आपको ऐसी गतिविधियाँ पसंद हैं जो रचनात्मक, सामाजिक और सामान्य दिनचर्या से थोड़ी अलग हों। नृत्य, एरोबिक्स या टीम स्पोर्ट्स आपको ऊर्जावान बनाए रख सकते हैं और साथ ही आपको उस जुड़ाव का एहसास भी दिला सकते हैं जिसका आप आनंद लेते हैं। ग्रुप फिटनेस क्लासेस या वर्चुअल रियलिटी फिटनेस जैसे तकनीक-आधारित वर्कआउट आपके नएपन के प्यार को विविधता की आपकी ज़रूरत के साथ जोड़ सकते हैं। आपके लिए, शारीरिक गतिविधि तब सबसे अच्छा काम करती है जब यह आपके शरीर के साथ-साथ आपके दिमाग को भी उत्तेजित करती है।

अनुकूल रंग के लिए कुम्भ लग्न

नीला रंग आपकी स्पष्टता और प्रेरणा का रंग है। यह आपकी बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और स्वाभाविक शांति को दर्शाता है। चाहे वह हल्के आसमानी नीले रंग की शर्ट हो, गहरे नेवी ब्लू जैकेट हो, या फ़िरोज़ा रंग का एक छींटा हो, इस रंग को पहनने से आप केंद्रित, एकाग्र और अपने विचारों को दुनिया के साथ साझा करने के लिए तैयार महसूस कर सकते हैं।

विंशोत्तरी दशा

वर्तमान महादशा

राहु 24-7-2022 8:44 to 23-7-2040 20:44

अंतरदशा

गुरु 5-4-2025 12:56 to 30-8-2027 3:20

विंशोत्तरी महादशा		
दशा ग्रह	प्रारंभ तिथि	समाप्ति तिथि
मंगल	24-7-2015 14:44	24-7-2022 8:44
राहु	24-7-2022 8:44	23-7-2040 20:44
गुरु	23-7-2040 20:44	23-7-2056 20:44
शनि	23-7-2056 20:44	24-7-2075 14:44
बुध	24-7-2075 14:44	23-7-2092 20:44
केतु	23-7-2092 20:44	24-7-2099 14:44
शुक्र	24-7-2099 14:44	25-7-2119 14:44
सूर्य	25-7-2119 14:44	25-7-2125 2:44
चन्द्र	25-7-2125 2:44	25-7-2135 14:44

योगिनी दशा

योगिनी दशा वेदिक ज्योतिष की एक दिव्य प्रणाली है, जो भगवान महादेव से जुड़ी मानी जाती है और भाग्य को गहराई से प्रभावित करती है। आठ अलग-अलग रूपों में मिलने वाली ये दशाएँ सफलता या बाधाएँ ला सकती हैं। जन्मकुंडली में शुभ-अशुभ योगिनी दशाओं को समझना चुनौतियों से पार पाने और अपने वास्तविक सामर्थ्य से जुड़े रहने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आपकी योगिनी रिपोर्ट चार्ट

वर्तमान दशा	**धान्य**
दशा स्वामी	**गुरु**
अवधि	**3 वर्ष**

Kumar Kartikey, तीन वर्षों तक चलने वाली, बृहस्पति द्वारा शासित, शुभ धन्य योगिनी दशा में प्रवेश करने पर बधाई। यह अवधि सफलता, ज्ञान और समृद्धि लाती है, आपको अध्यात्म, तीर्थयात्रा और धार्मिक जीवन की ओर ले जाती है। बृहस्पति का प्रभाव आपके निर्णय को प्रखर बनाता है, चुनौतियों पर विजय पाने, दूसरों का सहयोग करने और कठिन कार्यों में भी सफलता प्राप्त करने में आपकी सहायता करता है। ज्ञान, कड़ी मेहनत और तकनीकी अध्ययन के माध्यम से आप धन, प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही प्रभावशाली लोगों के साथ संबंध भी बना सकते हैं। यह दशा आपकी भक्ति, नेतृत्व और आध्यात्मिक विकास को सुदृढ़ करती है, ज्योतिष, मंत्र, ध्यान और परंपराओं के द्वार खोलती है। ज्ञान और शिक्षा के कारक बृहस्पति के साथ, आपको सम्मान, समृद्धि और असाधारण परिणाम प्राप्त करने की क्षमता प्राप्त होती है।

इन मंत्रों का प्रतिदिन 108 बार कुल 32,000 बार जाप करें - ॐ श्रीं धनदे धान्यै स्वाहा।

दशा ग्रह	प्रारंभ तिथि	समाप्ति तिथि
संकटा	11-12-2014 3:0	11-12-2022 3:0
मंगला	11-12-2022 3:0	11-12-2023 3:0
पिंगला	11-12-2023 3:0	11-12-2025 3:0
धान्य	11-12-2025 3:0	11-12-2028 3:0
भ्रामरी	11-12-2028 3:0	11-12-2032 3:0
भद्रिका	11-12-2032 3:0	11-12-2037 3:0
उल्का	11-12-2037 3:0	11-12-2043 3:0
सिद्धि	11-12-2043 3:0	11-12-2050 3:0
संकटा	11-12-2050 3:0	11-12-2058 3:0
मंगला	11-12-2058 3:0	11-12-2059 3:0
पिंगला	11-12-2059 3:0	11-12-2061 3:0
धान्य	11-12-2061 3:0	11-12-2064 3:0
भ्रामरी	11-12-2064 3:0	11-12-2068 3:0
भद्रिका	11-12-2068 3:0	11-12-2073 3:0
उल्का	11-12-2073 3:0	11-12-2079 3:0
सिद्धि	11-12-2079 3:0	11-12-2086 3:0
संकटा	11-12-2086 3:0	11-12-2094 3:0
मंगला	11-12-2094 3:0	11-12-2095 3:0
पिंगला	11-12-2095 3:0	11-12-2097 3:0
धान्य	11-12-2097 3:0	11-12-2100 3:0
भ्रामरी	11-12-2100 3:0	11-12-2104 3:0
भद्रिका	11-12-2104 3:0	11-12-2109 3:0

उल्का	11-12-2109 3:0	11-12-2115 3:0
सिद्धि	11-12-2115 3:0	11-12-2122 3:0

योगिनी दशा भविष्यवाणी

अंतरदशा अवधि
11-12-2025 to 12-03-2026
अंतरदशा नाम: **धान्य**
दशा स्वामी: **गुरु**

आप वर्तमान में धन्ना योगिनी दशा (बृहस्पति) और धन्ना अंतर्दशा में चल रहे हैं, जो समृद्धि, बौद्धिक वृद्धि और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए अत्यधिक अनुकूल समय है। यह समय आपको अपनी व्यक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों को अपने उच्च उद्देश्य से जोड़ने के लिए प्रेरित करेगा, साथ ही आप भौतिक और आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। वित्तीय दृष्टिकोण से, आपके पास संपत्ति संग्रहण और सफलता का मजबूत अवसर है, विशेष रूप से बौद्धिक प्रयासों, व्यापारिक उपक्रमों या रणनीतिक निवेशों के माध्यम से। यह आपकी शिक्षा को आगे बढ़ाने का एक बेहतरीन समय है, चाहे वह डिग्री और प्रमाणपत्र जैसे औपचारिक अध्ययन के माध्यम से हो या पढ़ाई, ध्यान, या दर्शनशास्त्र जैसे अनौपचारिक शिक्षण के माध्यम से। यदि आप परिवार शुरू करने का विचार कर रहे हैं, तो यह समय संतान प्राप्ति या पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए अनुकूल हो सकता है। आपकी सेहत में सुधार हो सकता है, ऊर्जा और जीवन शक्ति बढ़ सकती है, क्योंकि बृहस्पति आशावाद, विस्तार और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। संबंधों में, आप अपने प्रियजनों के साथ बढ़ोतरी और गहरे संबंधों का अनुभव करेंगे, जो व्यक्तिगत संबंधों में सामंजस्य स्थापित करेगा। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र रहें और अत्यधिक आशावादी होने या अधिक आकांक्षाएं रखने से बचें। संतुलन और ज्ञान बनाए रखकर, आप इस शुभ समय का सर्वोत्तम उपयोग कर सकते हैं।

अंतरदशा अवधि
12-03-2026 to 12-07-2026
अंतरदशा नाम: **भ्रामरी**
दशा स्वामी: **मंगल**

आप इस समय भ्रामरी योगिनी दशा में धन्य अंतरदशा (बृहस्पति) से गुजर रहे हैं, जो समृद्धि, बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए अत्यंत शुभ काल है। यह समय आपको अपने व्यक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों को आपके उच्च उद्देश्य से जोड़ने के लिए प्रेरित करेगा, और भौतिक व आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में ज्ञान प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करेगा।
आर्थिक रूप से, आप बौद्धिक कार्यों, व्यापारिक प्रयासों या रणनीतिक निवेशों के माध्यम से धन-संपत्ति अर्जित कर सकते हैं।
यह शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए एक उत्कृष्ट समय है – चाहे वह डिग्री और सर्टिफिकेट जैसे औपचारिक माध्यम हों या पढ़ाई, ध्यान या दर्शन जैसे अनौपचारिक।
यदि आप परिवार शुरू करने की सोच रहे हैं, तो यह समय संतान प्राप्ति या पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए अनुकूल है।
स्वास्थ्य में सुधार होगा, ऊर्जा और जीवनशक्ति बढ़ेगी, क्योंकि बृहस्पति आशावाद, विस्तार और संपूर्ण कल्याण को बढ़ावा देता है।
रिश्तों में गहराई आएगी और परिजनों से सामंजस्य बना रहेगा। बस यह ध्यान रखें कि अति-आत्मविश्वास या अति-आशावाद से बचें। संतुलन और विवेक के साथ आप इस शुभ काल का भरपूर लाभ उठा सकते हैं।

अंतरदशा अवधि
12-07-2026 to 11-12-2026
अंतरदशा नाम: **भद्रिका**
दशा स्वामी: **बुध**

धन्य योगिनी काल (जो बृहस्पति के अधीन शासित है) के दौरान, आप ज्ञान, समृद्धि और आध्यात्मिक विकास का अनुभव करेंगे। हालांकि, ब्राह्मरी उप-काल (जो मंगल द्वारा शासित है) एक अधिक गतिशील और कभी-कभी चुनौतीपूर्ण ऊर्जा लेकर आता है। आप प्रतिस्पर्धा में वृद्धि महसूस कर सकते हैं, जो वित्तीय लेन-देन में असहमति या बिना उचित सतर्कता के जल्दबाजी में निवेश निर्णय लेने की प्रवृत्ति पैदा कर सकता है। यदि सावधानी से नहीं संभाला गया, तो संपत्ति संबंधी विवाद या साझेदारी में समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

कार्यस्थल पर, इस काल में आक्रामक प्रतिस्पर्धा, संघर्ष या अधीरता आ सकती है, जो यदि सतर्क न रहा गया तो सहकर्मियों या उच्चाधिकारियों के साथ तनाव उत्पन्न कर सकता है। जहाँ धन्य काल ज्ञान, शांति और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है, और पारस्परिक सम्मान पर आधारित दीर्घकालिक रिश्तों का समर्थन करता है—वहीं ब्राह्मरी उप-काल आपको व्यक्तिगत मामलों में अधिक आक्रामक या रक्षात्मक बना सकता है। मंगल की अग्नि शक्ति के कारण पारिवारिक असहमति या निकट संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही, दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है, जैसे कि कटने, जलने या चोट लगने की संभावना, इसलिए सतर्क रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस काल को सही तरीके से पार करने के लिए, जल्दबाजी में वित्तीय निर्णय लेने से बचें, अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें और संघर्षों में धैर्य और ज्ञान के साथ आगे बढ़ें।

अंतरदशा अवधि
11-12-2026 to 12-06-2027
अंतरदशा नाम: **उल्का**
दशा स्वामी: **शनि**

धन्या दशा (बृहस्पति) में उल्का अंतरदशा (शनि) के दौरान आपको विकास और देरी का एक अनोखा लेकिन चुनौतीपूर्ण संयोग देखने को मिलेगा। बृहस्पति जहां अवसर लेकर आता है, वहीं शनि अनुशासन, धैर्य और परिश्रम की मांग करता है। करियर में प्रगति धीमी महसूस हो सकती है, लेकिन निरंतर प्रयास अंततः सफलता दिलाएगा।
वित्तीय रूप से यह समय स्थिर वृद्धि का है। त्वरित लाभ मिलना मुश्किल हो सकता है और उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, इसलिए समझदारी से योजना बनाना और धैर्य रखना आवश्यक है। रिश्तों में जिम्मेदारी और गंभीरता का भाव रहेगा। अगर आप विवाह की योजना बना रहे हैं, तो जीवन की जिम्मेदारियों के कारण विलंब संभव है, लेकिन दृढ़ता से आप सफल होंगे।
स्वास्थ्य के लिहाज से, शनिदेव के प्रभाव के कारण हड्डियों, जोड़ों या पुरानी बीमारियों से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए खासकर तनाव के समय शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानसिक रूप से भी शनि का भार महसूस हो सकता है, इसलिए आत्म-संयम और देखभाल बेहद जरूरी है। आपको ऐसा लग सकता है कि मेहनत का फल तुरंत नहीं मिल रहा, लेकिन लंबे समय में आपका परिश्रम जरूर रंग लाएगा।

अंतरदशा अवधि
12-06-2027 to 11-01-2028
अंतरदशा नाम: **सिद्धि**
दशा स्वामी: **शुक्र**

धन्या दशा (बृहस्पति) में सिद्धा अंतरदशा (शुक्र) के दौरान, आपको एक अत्यधिक लाभकारी समय का अनुभव होगा, जिसमें वित्तीय वृद्धि, करियर में उन्नति और संतोषजनक रिश्तों का समावेश होगा। आपके वित्त में steady सुधार होगा, और यह एक बेहतरीन समय है जब आप समझदारी से निवेश कर सकते हैं, जो अच्छे लाभ ला सकते हैं। यदि आप कला या मनोरंजन उद्योग में काम करते हैं, तो सफलता की संभावना बहुत अधिक है।
रोमांटिक रिश्ते अधिक आनंदमय होंगे, और यदि आप पहले से शादीशुदा नहीं हैं, तो यह समय विवाह या गंभीर प्रतिबद्धता को गहरा करने के लिए अनुकूल हो सकता है। बृहस्पति दीर्घकालिक रिश्तों के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा, जो मानसिक गहराई और स्थिरता लाएगा। यह संयोजन विशेष रूप से रचनात्मक साझेदारी या जीवनसाथी ढूंढने के लिए अनुकूल है जो आपके मूल्यों को साझा करता हो।
आपका करियर ज्ञान, मार्गदर्शन और शैक्षिक अवसरों से लाभान्वित होगा, और शिक्षा, कानून, प्रकाशन और आध्यात्मिकता जैसे क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएँ हैं। इस उपदशा में शुक्र का प्रभाव भौतिक पुरस्कार लाएगा, जिसमें नौकरी में पदोन्नति, व्यापार में सफलता, और रचनात्मक परियोजनाओं या कला भूमिकाओं में मान्यता शामिल है।
हालाँकि, आपको विलासिता या आरामदायक खाद्य पदार्थों में अति indulging से बचना चाहिए, क्योंकि इससे वजन बढ़ सकता है या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। अपने जीवनशैली में संतुलन बनाए रखना इस लाभकारी समय का अधिकतम उपयोग करने में मदद करेगा।

अंतरदशा अवधि
11-01-2028 to 10-09-2028
अंतरदशा नाम: **संकटा**
दशा स्वामी: **राहु**

धन्या दशा (बृहस्पति) में संकटा अंतरदशा (राहु) के दौरान आपको भौतिक उन्नति और आध्यात्मिक जागृति दोनों का मिश्रित अनुभव होगा, लेकिन राहु का प्रभाव इन दोनों क्षेत्रों में भ्रम या भटकाव ला सकता है। सफलता संभव है, लेकिन यह आसानी से नहीं मिलेगी और इसमें अप्रत्याशित बाधाएँ आ सकती हैं। बृहस्पति जहाँ विस्तार, शिक्षा और ज्ञान को प्रेरित करता है, वहीं राहु आपको विचलन, अत्यधिक इच्छाएँ या अनैतिक रास्तों की ओर ले जा सकता है।
आर्थिक रूप से यह समय अच्छे अवसर लेकर आएगा, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। राहु जोखिम भरे फैसलों की ओर उकसा सकता है या अचानक आर्थिक नुकसान करा सकता है। अतः सट्टा या उच्च जोखिम वाले निवेश से बचें और सुरक्षित विकल्पों पर ध्यान दें।
आध्यात्मिक और व्यक्तिगत रूप से यह चरण बड़ा परिवर्तन ला सकता है, लेकिन आपको भ्रमपूर्ण रास्तों या भ्रामक शिक्षाओं से सावधान रहना चाहिए। राहु की ऊर्जा आपको जल्दबाज़ी में निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकती है, इसलिए खासकर आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाएं। यदि आप संतुलन बनाए रखते हैं और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, तो यह समय आपके लिए फायदेमंद सिद्ध हो सकता है।

अंतरदशा अवधि
10-09-2028 to 11-10-2028

अंतरदशा नाम: **मंगला**
दशा स्वामी: **चन्द्र**

धन्या योगिनी दशा (बृहस्पति) में मंगल अंतर्दशा (चंद्रमा) के दौरान, आप विकास, ज्ञान और भावनात्मक परिपक्वता का समय अनुभव करेंगे। यह अवधि शिक्षा, अध्यापन, कानून, वित्त और आध्यात्मिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए अनुकूल है और नए अवसर लाती है। हालांकि, भावनात्मक निर्णयों के कारण उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, इसलिए संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।
आर्थिक रूप से, ज्ञान, निवेश या व्यापार विस्तार के माध्यम से धीरे-धीरे लाभ की संभावना है, हालांकि पारिवारिक ज़िम्मेदारियों या यात्रा के कारण खर्च बढ़ सकते हैं।
यह विवाह, पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने और भावनात्मक समर्थन प्राप्त करने के लिए अनुकूल समय है, लेकिन मूड स्विंग या गलतफहमियां हो सकती हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से पाचन संबंधी समस्याएं या शरीर में जल जमाव हो सकता है, इसलिए स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना आवश्यक है।
दर्शन और उच्च अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ सकती है, जिससे व्यवसाय, लेखन या शोध में सफलता मिल सकती है। यदि आप अविवाहित हैं, तो इस दौरान प्रेम संबंध या विवाह प्रस्ताव आ सकता है। पारिवारिक रिश्तों को पोषित करें, पर्याप्त पानी पिएं और संतुलित आहार अपनाएं।

अंतरदशा अवधि
11-10-2028 to 11-12-2028

अंतरदशा नाम: **पिंगला**
दशा स्वामी: **सूर्य**

धन्य योगिनी दशा (बृहस्पति) के दौरान आप पिंगला अंतर्दशा (सूर्य) में हैं, जहां बृहस्पति और सूर्य की संयुक्त ऊर्जा आपके जीवन की घटनाओं को प्रभावित करती है। यह समय करियर में विस्तार लेकर आता है, और यदि आप व्यवसाय में हैं तो प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि होगी। हालांकि, अति-प्रतिज्ञा करने या ज़रूरत से ज़्यादा ज़िम्मेदारी लेने से बचना चाहिए। आर्थिक रूप से यह दीर्घकालिक निवेश और संपत्ति खरीदने के लिए अनुकूल समय है, लेकिन कर संबंधी मामलों में सतर्क रहना होगा।
रिश्तों में अस्थायी दूरी या गलतफहमी हो सकती है, लेकिन आप बुद्धिमान और प्रभावशाली व्यक्तित्व की ओर आकर्षित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से अत्यधिक गर्मी से बचें और काम का संतुलन रखें, क्योंकि यह समय हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं ला सकता है। सूर्य का आशीर्वाद पाने के लिए आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें और बृहस्पति की कृपा के लिए हल्दी, पीले वस्त्र या पुस्तकें दान करें। साथ ही रोज़ सूर्य नमस्कार करने से ऊर्जा संतुलन बना रहेगा और संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

योगिनी दशा भविष्यवाणी

अंतरदशा अवधि
11-12-2025 to 12-03-2026

अंतरदशा नाम: **धान्य**
दशा स्वामी: **गुरु**

आप वर्तमान में धन्ना योगिनी दशा (बृहस्पति) और धन्ना अंतर्दशा में चल रहे हैं, जो समृद्धि, बौद्धिक वृद्धि और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए अत्यधिक अनुकूल समय है। यह समय आपको अपनी व्यक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों को अपने उच्च उद्देश्य से जोड़ने के लिए प्रेरित करेगा, साथ ही आप भौतिक और आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। वित्तीय दृष्टिकोण से, आपके पास संपत्ति संग्रहण और सफलता का मजबूत अवसर है, विशेष रूप से बौद्धिक प्रयासों, व्यापारिक उपक्रमों या रणनीतिक निवेशों के माध्यम से। यह आपकी शिक्षा को आगे बढ़ाने का एक बेहतरीन समय है, चाहे वह डिग्री और प्रमाणपत्र जैसे औपचारिक अध्ययन के माध्यम से हो या पढ़ाई, ध्यान, या दर्शनशास्त्र जैसे अनौपचारिक शिक्षण के माध्यम से। यदि आप परिवार शुरू करने का विचार कर रहे हैं, तो यह समय संतान प्राप्ति या पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए अनुकूल हो सकता है। आपकी सेहत में सुधार हो सकता है, ऊर्जा और जीवन शक्ति बढ़ सकती है, क्योंकि बृहस्पति आशावाद, विस्तार और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। संबंधों में, आप अपने प्रियजनों के साथ बढ़ोतरी और गहरे संबंधों का अनुभव करेंगे, जो व्यक्तिगत संबंधों में सामंजस्य स्थापित करेगा। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र रहें और अत्यधिक आशावादी होने या अधिक आकांक्षाएं रखने से बचें। संतुलन और ज्ञान बनाए रखकर, आप इस शुभ समय का सर्वोत्तम उपयोग कर सकते हैं।

अंतरदशा अवधि
12-03-2026 to 12-07-2026

अंतरदशा नाम: **भ्रामरी**
दशा स्वामी: **मंगल**

आप इस समय भ्रामरी योगिनी दशा में धन्य अंतरदशा (बृहस्पति) से गुजर रहे हैं, जो समृद्धि, बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए अत्यंत शुभ काल है। यह समय आपको अपने व्यक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों को आपके उच्च उद्देश्य से जोड़ने के लिए प्रेरित करेगा, और भौतिक व आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में ज्ञान प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करेगा।
आर्थिक रूप से, आप बौद्धिक कार्यों, व्यापारिक प्रयासों या रणनीतिक निवेशों के माध्यम से धन-संपत्ति अर्जित कर सकते हैं।
यह शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए एक उत्कृष्ट समय है – चाहे वह डिग्री और सर्टिफिकेट जैसे औपचारिक माध्यम हों या पढ़ाई, ध्यान या दर्शन जैसे अनौपचारिक।
यदि आप परिवार शुरू करने की सोच रहे हैं, तो यह समय संतान प्राप्ति या पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए अनुकूल है।
स्वास्थ्य में सुधार होगा, ऊर्जा और जीवनशक्ति बढ़ेगी, क्योंकि बृहस्पति आशावाद, विस्तार और संपूर्ण कल्याण को बढ़ावा देता है।
रिश्तों में गहराई आएगी और परिजनों से सामंजस्य बना रहेगा। बस यह ध्यान रखें कि अति-आत्मविश्वास या अति-आशावाद से बचें। संतुलन और विवेक के साथ आप इस शुभ काल का भरपूर लाभ उठा सकते हैं।

अंतरदशा अवधि
12-07-2026 to 11-12-2026

अंतरदशा नाम: **भद्रिका**
दशा स्वामी: **बुध**

धन्य योगिनी काल (जो बृहस्पति के अधीन शासित है) के दौरान, आप ज्ञान, समृद्धि और आध्यात्मिक विकास का अनुभव करेंगे। हालांकि, ब्राह्मरी उप-काल (जो मंगल द्वारा शासित है) एक अधिक गतिशील और कभी-कभी चुनौतीपूर्ण ऊर्जा लेकर आता है। आप प्रतिस्पर्धा में वृद्धि महसूस कर सकते हैं, जो वित्तीय लेन-देन में असहमति या बिना उचित सतर्कता के जल्दबाजी में निवेश निर्णय लेने की प्रवृत्ति पैदा कर सकता है। यदि सावधानी से नहीं संभाला गया, तो संपत्ति संबंधी विवाद या साझेदारी में समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

कार्यस्थल पर, इस काल में आक्रामक प्रतिस्पर्धा, संघर्ष या अधीरता आ सकती है, जो यदि सतर्क न रहा गया तो सहकर्मियों या उच्चाधिकारियों के साथ तनाव उत्पन्न कर सकता है। जहाँ धन्य काल ज्ञान, शांति और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है, और पारस्परिक सम्मान पर आधारित दीर्घकालिक रिश्तों का समर्थन करता है—वहीं ब्राह्मरी उप-काल आपको व्यक्तिगत मामलों में अधिक आक्रामक या रक्षात्मक बना सकता है। मंगल की अग्नि शक्ति के कारण पारिवारिक असहमति या निकट संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही, दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है, जैसे कि कटने, जलने या चोट लगने की संभावना, इसलिए सतर्क रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस काल को सही तरीके से पार करने के लिए, जल्दबाजी में वित्तीय निर्णय लेने से बचें, अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें और संघर्षों में धैर्य और ज्ञान के साथ आगे बढ़ें।

अंतरदशा अवधि
11-12-2026 to 12-06-2027

अंतरदशा नाम: **उल्का**
दशा स्वामी: **शनि**

धन्या दशा (बृहस्पति) में उल्का अंतरदशा (शनि) के दौरान आपको विकास और देरी का एक अनोखा लेकिन चुनौतीपूर्ण संयोग देखने को मिलेगा। बृहस्पति जहां अवसर लेकर आता है, वहीं शनि अनुशासन, धैर्य और परिश्रम की मांग करता है। करियर में प्रगति धीमी महसूस हो सकती है, लेकिन निरंतर प्रयास अंततः सफलता दिलाएगा।
वित्तीय रूप से यह समय स्थिर वृद्धि का है। त्वरित लाभ मिलना मुश्किल हो सकता है और उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, इसलिए समझदारी से योजना बनाना और धैर्य रखना आवश्यक है। रिश्तों में जिम्मेदारी और गंभीरता का भाव रहेगा। अगर आप विवाह की योजना बना रहे हैं, तो जीवन की जिम्मेदारियों के कारण विलंब संभव है, लेकिन दृढ़ता से आप सफल होंगे।
स्वास्थ्य के लिहाज से, शनिदेव के प्रभाव के कारण हड्डियों, जोड़ों या पुरानी बीमारियों से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए खासकर तनाव के समय शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानसिक रूप से भी शनि का भार महसूस हो सकता है, इसलिए आत्म-संयम और देखभाल बेहद जरूरी है। आपको ऐसा लग सकता है कि मेहनत का फल तुरंत नहीं मिल रहा, लेकिन लंबे समय में आपका परिश्रम जरूर रंग लाएगा।

अंतरदशा अवधि
12-06-2027 to 11-01-2028

अंतरदशा नाम: **सिद्धि**
दशा स्वामी: **शुक्र**

धन्या दशा (बृहस्पति) में सिद्धा अंतरदशा (शुक्र) के दौरान, आपको एक अत्यधिक लाभकारी समय का अनुभव होगा, जिसमें वित्तीय वृद्धि, करियर में उन्नति और संतोषजनक रिश्तों का समावेश होगा। आपके वित्त में steady सुधार होगा, और यह एक बेहतरीन समय है जब आप समझदारी से निवेश कर सकते हैं, जो अच्छे लाभ ला सकते हैं। यदि आप कला या मनोरंजन उद्योग में काम करते हैं, तो सफलता की संभावना बहुत अधिक है।
रोमांटिक रिश्ते अधिक आनंदमय होंगे, और यदि आप पहले से शादीशुदा नहीं हैं, तो यह समय विवाह या गंभीर प्रतिबद्धता को गहरा करने के लिए अनुकूल हो सकता है। बृहस्पति दीर्घकालिक रिश्तों के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा, जो मानसिक गहराई और स्थिरता लाएगा। यह संयोजन विशेष रूप से रचनात्मक साझेदारी या जीवनसाथी ढूंढने के लिए अनुकूल है जो आपके मूल्यों को साझा करता हो।
आपका करियर ज्ञान, मार्गदर्शन और शैक्षिक अवसरों से लाभान्वित होगा, और शिक्षा, कानून, प्रकाशन और आध्यात्मिकता जैसे क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएँ हैं। इस उपदशा में शुक्र का प्रभाव भौतिक पुरस्कार लाएगा, जिसमें नौकरी में पदोन्नति, व्यापार में सफलता, और रचनात्मक परियोजनाओं या कला भूमिकाओं में मान्यता शामिल है।
हालाँकि, आपको विलासिता या आरामदायक खाद्य पदार्थों में अति indulging से बचना चाहिए, क्योंकि इससे वजन बढ़ सकता है या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। अपने जीवनशैली में संतुलन बनाए रखना इस लाभकारी समय का अधिकतम उपयोग करने में मदद करेगा।

अंतरदशा अवधि
11-01-2028 to 10-09-2028

अंतरदशा नाम: **संकटा**
दशा स्वामी: **राहु**

धन्या दशा (बृहस्पति) में संकटा अंतरदशा (राहु) के दौरान आपको भौतिक उन्नति और आध्यात्मिक जागृति दोनों का मिश्रित अनुभव होगा, लेकिन राहु का प्रभाव इन दोनों क्षेत्रों में भ्रम या भटकाव ला सकता है। सफलता संभव है, लेकिन यह आसानी से नहीं मिलेगी और इसमें अप्रत्याशित बाधाएँ आ सकती हैं। बृहस्पति जहाँ विस्तार, शिक्षा और ज्ञान को प्रेरित करता है, वहीं राहु आपको विचलन, अत्यधिक इच्छाएँ या अनैतिक रास्तों की ओर ले जा सकता है।
आर्थिक रूप से यह समय अच्छे अवसर लेकर आएगा, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। राहु जोखिम भरे फैसलों की ओर उकसा सकता है या अचानक आर्थिक नुकसान करा सकता है। अतः सट्टा या उच्च जोखिम वाले निवेश से बचें और सुरक्षित विकल्पों पर ध्यान दें।
आध्यात्मिक और व्यक्तिगत रूप से यह चरण बड़ा परिवर्तन ला सकता है, लेकिन आपको भ्रमपूर्ण रास्तों या भ्रामक शिक्षाओं से सावधान रहना चाहिए। राहु की ऊर्जा आपको जल्दबाज़ी में निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकती है, इसलिए खासकर आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाएं। यदि आप संतुलन बनाए रखते हैं और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, तो यह समय आपके लिए फायदेमंद सिद्ध हो सकता है।

अंतरदशा अवधि
10-09-2028 to 11-10-2028

अंतरदशा नाम: **मंगला**
दशा स्वामी: **चन्द्र**

धन्या योगिनी दशा (बृहस्पति) में मंगल अंतर्दशा (चंद्रमा) के दौरान, आप विकास, ज्ञान और भावनात्मक परिपक्वता का समय अनुभव करेंगे। यह अवधि शिक्षा, अध्यापन, कानून, वित्त और आध्यात्मिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए अनुकूल है और नए अवसर लाती है। हालांकि, भावनात्मक निर्णयों के कारण उतार-चढ़ाव हो सकते हैं, इसलिए संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।
आर्थिक रूप से, ज्ञान, निवेश या व्यापार विस्तार के माध्यम से धीरे-धीरे लाभ की संभावना है, हालांकि पारिवारिक ज़िम्मेदारियों या यात्रा के कारण खर्च बढ़ सकते हैं।
यह विवाह, पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने और भावनात्मक समर्थन प्राप्त करने के लिए अनुकूल समय है, लेकिन मूड स्विंग या गलतफहमियां हो सकती हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से पाचन संबंधी समस्याएं या शरीर में जल जमाव हो सकता है, इसलिए स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना आवश्यक है।
दर्शन और उच्च अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ सकती है, जिससे व्यवसाय, लेखन या शोध में सफलता मिल सकती है। यदि आप अविवाहित हैं, तो इस दौरान प्रेम संबंध या विवाह प्रस्ताव आ सकता है। पारिवारिक रिश्तों को पोषित करें, पर्याप्त पानी पिएं और संतुलित आहार अपनाएं।

अंतरदशा अवधि
11-10-2028 to 11-12-2028

अंतरदशा नाम: **पिंगला**
दशा स्वामी: **सूर्य**

धन्य योगिनी दशा (बृहस्पति) के दौरान आप पिंगला अंतर्दशा (सूर्य) में हैं, जहां बृहस्पति और सूर्य की संयुक्त ऊर्जा आपके जीवन की घटनाओं को प्रभावित करती है। यह समय करियर में विस्तार लेकर आता है, और यदि आप व्यवसाय में हैं तो प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि होगी। हालांकि, अति-प्रतिज्ञा करने या ज़रूरत से ज़्यादा ज़िम्मेदारी लेने से बचना चाहिए। आर्थिक रूप से यह दीर्घकालिक निवेश और संपत्ति खरीदने के लिए अनुकूल समय है, लेकिन कर संबंधी मामलों में सतर्क रहना होगा।
रिश्तों में अस्थायी दूरी या गलतफहमी हो सकती है, लेकिन आप बुद्धिमान और प्रभावशाली व्यक्तित्व की ओर आकर्षित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से अत्यधिक गर्मी से बचें और काम का संतुलन रखें, क्योंकि यह समय हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं ला सकता है। सूर्य का आशीर्वाद पाने के लिए आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें और बृहस्पति की कृपा के लिए हल्दी, पीले वस्त्र या पुस्तकें दान करें। साथ ही रोज़ सूर्य नमस्कार करने से ऊर्जा संतुलन बना रहेगा और संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

ग्रह संबंधी स्थिति

ग्रह	राशि	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	अंश	वक्री	भाव
सूर्य	तुला	शुक्र	विशाखा	गुरु	208.53181999925	false	9
चन्द्र	मिथुन	बुध	मृगशिरा	मंगल	61.546693874054	false	5
मंगल	तुला	शुक्र	चित्रा	मंगल	183.26177419536	false	9
बुध	तुला	शुक्र	विशाखा	गुरु	200.28678606805	true	9
गुरु	धनु	गुरु	मूल	केतु	242.10313288523	false	11
शुक्र	वृश्चिक	मंगल	ज्येष्ठा	बुध	232.632649447	false	10
शनि	धनु	गुरु	पूर्व षाढ़ा	शुक्र	262.39943795787	false	11
राहु	मिथुन	बुध	आर्द्रा	राहु	76.579496075845	true	5
केतु	धनु	गुरु	पूर्व षाढ़ा	शुक्र	256.57949607585	true	11
लग्न	कुम्भ	शनि	शतभिसा	राहु	317.26931301161		1

व्याख्या:

- **वक्री:** यह दर्शाता है कि ग्रह वक्री है या नहीं।
  राशि: वह राशि जिसमें ग्रह स्थित है।
  राशि स्वामी: उस राशि का स्वामी ग्रह।
  डिग्री: उस राशि में ग्रह की सटीक डिग्री।
  नक्षत्र: वह नक्षत्र जिसमें ग्रह स्थित है।
  नक्षत्र स्वामी: उस नक्षत्र का स्वामी ग्रह।
  भाव: जन्म कुंडली में वह भाव जिसमें ग्रह स्थित है।
- आपकी कुंडली में एक वक्री ग्रह आकाश में जैसे पीछे की ओर जा रहा हो ऐसा प्रतीत होता है (हालांकि वह वास्तव में पीछे नहीं जा रहा होता—यह पृथ्वी से एक दृष्टिभ्रम होता है)। यह पीछे की ओर गति उस ग्रह की ऊर्जा के काम करने के तरीके को आपके जीवन में बदल देती है।

ग्रह प्रभाव

ग्रह का नाम
सूर्य

ग्रह की राशि
तुला

भाव संख्या
9

तुला राशि में आपके 9वें भाव में सूर्य के दुर्बल होने से, सत्य और उच्च ज्ञान की ओर आपकी यात्रा में अक्सर आत्म-अभिव्यक्ति और समझौते के बीच आंतरिक संघर्ष शामिल होता है। आप अपनी मान्यताओं को परिभाषित करने या अपने विश्वास को व्यक्त करने में संघर्ष कर सकते हैं, खासकर यदि आप दूसरों की राय से अत्यधिक प्रभावित हैं। यह स्थिति रिश्तों या गुरुओं के माध्यम से मान्यता प्राप्त करने की प्रवृत्ति को इंगित कर सकती है, संभवतः इस प्रक्रिया में अपनी आध्यात्मिक आवाज़ खो सकती है। हालाँकि, यदि आप संतुलित हैं, तो आपके पास दार्शनिक या धार्मिक बहस में सामंजस्य और कूटनीति लाने की क्षमता है। तुला राशि का शासक शुक्र, सूर्य का शत्रु है, जो यहाँ पूरी तरह से चमकने की इसकी क्षमता को और कमज़ोर करता है - इस प्रकार, जब तक आप परिपक्व नहीं हो जाते, तब तक भाग्य और धर्म के साथ आपका संबंध विलंबित या असंगत लग सकता है। आप कला, सौंदर्य या साझेदारी के माध्यम से आध्यात्मिक अर्थ पा सकते हैं, लेकिन विश्वास प्रणालियों को आदर्श या रोमांटिक न बनाने के लिए सावधान रहना चाहिए। वास्तविक विकास तब होता है जब आप अनुमोदन से स्वतंत्र, सत्य की अपनी भावना को पुनः प्राप्त करते हैं। एक बार जब आप व्यक्तिगत इच्छा को सार्वभौमिक न्याय के साथ संतुलित करना सीख जाते हैं, तो आप एक बुद्धिमान और सुंदर आध्यात्मिक राजनयिक के रूप में विकसित होंगे।

ग्रह का नाम
चन्द्र

ग्रह की राशि
मिथुन

भाव संख्या
5

आपके पास 5वें भाव में मिथुन राशि में चंद्रमा है जो एक मित्र राशि है, जो आपको पढ़ाई और अभिव्यक्ति के मामले में एक तेज, जिज्ञासु और चंचल दिमाग देता है। आप एक साथ कई चीजें सीखने का आनंद लेते हैं और ऐसे वातावरण में पनपते हैं जो आपकी बुद्धि और रचनात्मकता को उत्तेजित करता है। शैक्षणिक रूप से, आप बहुमुखी और स्पष्टवादी हैं, लेकिन अगर विषय बहुत नियमित या नीरस हो जाते हैं तो आपका ध्यान भटक सकता है। बच्चों के साथ, आप एक सख्त माता-पिता की तुलना में एक दोस्त की तरह व्यवहार करते हैं - आप खुले संचार और जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं लेकिन भावनात्मक मार्गदर्शन में निरंतरता की कमी हो सकती है। आप चाहते हैं कि आपका बच्चा अभिव्यंजक, होशियार और मजाकिया हो। सट्टेबाजी में, आपकी त्वरित मानसिक प्रक्रिया समय पर निर्णय लेने में मदद करती है, खासकर ट्रेडिंग, मीडिया या तकनीक से संबंधित उपक्रमों में। हालाँकि, मूड-संचालित विकल्प और मानसिक अति सक्रियता असंगत परिणामों को जन्म दे सकती है। आपकी विश्लेषणात्मक शैली तेज़ और चतुर है, लेकिन अगर आप बहुत तेज़ी से आगे बढ़ते हैं तो गहराई प्रभावित हो सकती है। धीमा होना और एक समय में एक ही रास्ते पर चलना दीर्घकालिक परिणामों को बेहतर बना सकता है।

ग्रह का नाम
मंगल

ग्रह की राशि
तुला

भाव संख्या
9

तुला राशि में मंगल के 9वें भाव में होने से, उच्च ज्ञान की आपकी खोज संतुलन, सद्भाव और निष्पक्षता की इच्छा से जुड़ी हुई है। आप न केवल अपने लिए बल्कि सामूहिक रूप से सत्य की तलाश करते हैं, हमेशा इस बात पर विचार करते हैं कि आपकी मान्यताएँ दूसरों को कैसे प्रभावित करेंगी। आध्यात्मिकता और दर्शन आपके लिए रिश्तों से गहराई से जुड़े हुए हैं - आप पा सकते हैं कि आपका आध्यात्मिक मार्ग आपके आस-पास के लोगों, विशेष रूप से गुरुओं या उन लोगों द्वारा आकार लिया गया है जिनके साथ आप गहरे, सार्थक संबंध साझा करते हैं। आप एक ऐसा दर्शन खोजने के लिए प्रेरित होते हैं जो शांति, न्याय और संतुलन को बढ़ावा देता है, लेकिन कई बार यह अनिर्णय या व्यक्तिगत विश्वास की कमी का कारण बन सकता है। आपकी आध्यात्मिक यात्रा के लिए आपको सामूहिक रूप से अपनी आवाज़ खोजने, दूसरों की बुद्धि का सम्मान करते हुए अपनी मान्यताओं को परिभाषित करने की आवश्यकता होती है। यात्रा, भौतिक और आध्यात्मिक दोनों, आपके लिए अलग-अलग दृष्टिकोणों का पता लगाने का एक तरीका है, लेकिन आपको दूसरों से बहुत अधिक प्रभावित होने और सत्य की अपनी समझ से संपर्क खोने से बचना चाहिए। आपका मार्ग अपने आंतरिक और बाहरी दोनों दुनियाओं के साथ सामंजस्य में रहना सीखना है।

ग्रह का नाम
बुध

ग्रह की राशि
तुला

भाव संख्या
9

तुला राशि में बुध ग्रह 9वें भाव में मित्र राशि के रूप में स्थित है। तुला राशि में बुध के होने से आपका संचार कूटनीतिक, संतुलित और विचारशील होता है। आप सद्भाव और निष्पक्षता को महत्व देने वाले दृष्टिकोण से दर्शन, ज्ञान और आध्यात्मिकता की खोज करने के लिए आकर्षित होते हैं। आपका दिमाग अपने आस-पास की दुनिया में संतुलन और समझ बनाने पर केंद्रित है। स्वास्थ्य के लिहाज से, यह स्थिति आपको तनाव या असंतुलन के प्रति संवेदनशील बना सकती है, खासकर आपके रिश्तों या बौद्धिक गतिविधियों में। आप पा सकते हैं कि आपका मानसिक स्वास्थ्य आपके शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, इसलिए दोनों क्षेत्रों में सामंजस्य बनाए रखना आवश्यक है। योग या ध्यान जैसी प्रथाओं में शामिल होने से आपको अपने शरीर और दिमाग को जोड़ने में मदद मिल सकती है, जिससे आप स्वस्थ और केंद्रित रह सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आप अपने स्वास्थ्य की कीमत पर दूसरों को खुश करने की कोशिश न करें या ज़्यादा न सोचें, क्योंकि इससे मानसिक या शारीरिक थकावट हो सकती है।

ग्रह का नाम
गुरु

ग्रह की राशि
धनु

भाव संख्या
11

धनु राशि में 11वें भाव में बृहस्पति के होने से आप एक सच्चे दूरदर्शी व्यक्ति हैं, जिनके सपने बहुत बड़े हैं और उन्हें पूरा करने की आपकी क्षमता भी उतनी ही मजबूत है। यह बृहस्पति अपनी ही राशि में है, जो आपको भरपूर अवसर, वित्तीय भाग्य और एक बुद्धिमान, सहायक नेटवर्क का आशीर्वाद देता है। आप अक्सर अंतरराष्ट्रीय संबंधों, शिक्षा, कानून, दर्शन या धर्म-आधारित कार्यों से लाभ उठाते हैं। आपके दीर्घकालिक लक्ष्य प्रकृति में नैतिक या आदर्शवादी होते हैं और आप सत्य के साथ जुड़कर सफलता प्राप्त करते हैं। इस स्थिति में आपकी माँ का स्वास्थ्य आमतौर पर अच्छा रहता है। आप एक साझा उद्देश्य के लिए बड़े समूहों को इकट्ठा करने वाले व्यक्ति हैं और आपका आशावाद आपको कठिन समय में भी आगे बढ़ने में मदद करता है। यहाँ बृहस्पति के मजबूत होने से, प्रसिद्धि, धन और पूर्ति की बहुत संभावना है - खासकर अगर आप जमीन से जुड़े रहें और हठधर्मिता से बचें। जैसे-जैसे आप दूसरों को कुछ देते हैं, आपका जीवन विस्तृत होता जाता है। आप उच्च ज्ञान द्वारा सिखाने, मार्गदर्शन करने और नेतृत्व करने के लिए बने हैं।

ग्रह का नाम
शुक्र

ग्रह की राशि
वृश्चिक

भाव संख्या
10

वृश्चिक राशि के साथ 10वें भाव में शुक्र का होना आपके करियर में तीव्रता, गहराई और परिवर्तन लाता है। आप ऐसे व्यवसायों की ओर आकर्षित होते हैं जो आपको छिपी हुई सच्चाइयों का पता लगाने, जटिल परिस्थितियों को संभालने और दूसरों पर प्रभाव डालने की अनुमति देते हैं। आपके लिए आदर्श करियर में मनोविज्ञान, शोध, जांच, संकट प्रबंधन या कोई भी ऐसा क्षेत्र शामिल है जिसमें अनदेखी चीजों को समझना या गहन भावनात्मक मामलों को संभालना शामिल है। आप एक मनोवैज्ञानिक, जासूस, वित्तीय विश्लेषक या किसी भी ऐसी भूमिका में कामयाब हो सकते हैं जिसके लिए गहरी अंतर्दृष्टि और जटिल गतिशीलता को नेविगेट करने की क्षमता की आवश्यकता होती है। आपके पिता के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ हो सकते हैं, जिसमें शक्ति और नियंत्रण की अंतर्निहित इच्छा हो सकती है। वृश्चिक राशि में शुक्र आपके करियर को प्रभावित करता है, जो आपको अपने सभी कार्यों में परिवर्तन और विकास करने के लिए प्रोत्साहित करता है। आप ऐसे करियर की ओर आकर्षित होने की संभावना रखते हैं जहाँ आप अधिकार या प्रभाव का प्रयोग कर सकते हैं, और जहाँ पंक्तियों के बीच पढ़ने और शक्तिशाली भावनाओं को संभालने की आपकी क्षमता एक संपत्ति है। आपके लिए करियर की सफलता तीव्रता को नेविगेट करने और उन समाधानों को खोजने की आपकी क्षमता के माध्यम से आएगी जहाँ अन्य संघर्ष कर सकते हैं।

ग्रह का नाम
शनि

ग्रह की राशि
धनु

भाव संख्या
11

धनु राशि में शनि के आपके 11वें भाव में होने से, आपके लक्ष्य अक्सर आपके ज्ञान, दर्शन या आध्यात्मिक विश्वासों के विस्तार से जुड़े होते हैं। आप ऐसे सामाजिक समूहों या दोस्ती की ओर आकर्षित होते हैं जो आपके आदर्शों को साझा करते हैं और आपको बौद्धिक या आध्यात्मिक रूप से विकसित होने में मदद कर सकते हैं। हालाँकि, धनु राशि में शनि संकेत दे सकता है कि आपकी इच्छाओं को पूरा होने में समय लगता है, और सफलता के लिए आपका मार्ग अक्सर देरी, चुनौतियों या आपकी परिस्थितियों द्वारा प्रतिबंधित होने की भावनाओं से चिह्नित होता है। आप पा सकते हैं कि आपके वित्तीय पुरस्कार या करियर की सफलता शिक्षण, प्रकाशन, यात्रा या ऐसे क्षेत्रों के माध्यम से आती है जो आपको नए विचारों और संस्कृतियों का पता लगाने की अनुमति देते हैं। धनु राशि में शनि आपको अपने आदर्शवाद को व्यावहारिकता के साथ संतुलित करने का महत्व सिखाता है, और आपके पुरस्कार तब मिलेंगे जब आप अपने विचारों को संरचित कार्रवाई में डालना सीखेंगे। प्रसिद्धि या मान्यता आपके ज्ञान और बुद्धि को दूसरों के साथ साझा करने की आपकी क्षमता के माध्यम से आ सकती है, लेकिन इसके लिए धैर्य और अनुशासन की आवश्यकता होगी।

ग्रह का नाम
राहु

ग्रह की राशि
मिथुन

भाव संख्या
5

मिथुन राशि में राहु के साथ आपकी 5वीं राशि में, आपका दिमाग एक बहुरूपदर्शक है - अंतहीन जिज्ञासु, हमेशा आविष्कार करने वाला। आपके लिए रचनात्मकता पहले मानसिक है: लिखना, बोलना, पढ़ाना, चालबाज़ी, रणनीति या कहानी सुनाना। आपमें शब्दों के जादूगर, विद्रूषक या बौद्धिक विद्रोही होने की पिछली ज़िंदगी की झलक हो सकती है। रोमांस चंचल है लेकिन अक्सर बिखरा हुआ है - आप *लोगों की वास्तविकता से ज़्यादा उनके विचारों से प्यार करते* हैं। बच्चे मानसिक रूप से उत्तेजक हो सकते हैं या स्वतंत्रता की आपकी ज़रूरत से कर्म से जुड़े हो सकते हैं। राहु इस अनुकूल राशि में अच्छा प्रदर्शन करता है, जिससे आपको करिश्मा, चतुराई और अनुकूलनशीलता मिलती है। लेकिन आप प्यार में भावनात्मक गहराई से जूझ सकते हैं, क्योंकि आपका दिमाग आपके दिल की तुलना में तेज़ चलता है। कुंजी *एक रास्ता चुनना है* । जब आप इधर-उधर भटकना बंद कर देते हैं और गहराई से सोचना शुरू करते हैं तो आपकी प्रतिभा कई गुना बढ़ जाती है - त्वरित चिंगारी को स्थिर लौ में बदलना। आपका उपहार संचार में निहित है जो आश्चर्य को प्रेरित करता है - अपनी आवाज़ को अपनी विरासत बनने दें।

ग्रह का नाम
केतु

ग्रह की राशि
धनु

भाव संख्या
11

आपके 11वें भाव में धनु राशि में केतु है, जहाँ धनु राशि की विस्तृत, स्वतंत्रता-प्रेमी ऊर्जा 11वें भाव की अधिक संरचित, लक्ष्य-उन्मुख प्रकृति के साथ संघर्ष कर सकती है। आप सामाजिक नेटवर्क और समूहों से अलग-थलग या अलग-थलग महसूस कर सकते हैं, दूसरों की अपेक्षाओं से बंधे रहने के बजाय स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को प्राथमिकता देते हैं। आपका सामाजिक जीवन बिखरा हुआ महसूस हो सकता है, और आपको ऐसा समूह खोजने में संघर्ष करना पड़ सकता है जहाँ आप वास्तव में शामिल हों। आप सामाजिक कारणों या वैश्विक मुद्दों के प्रति आकर्षित होने की संभावना रखते हैं, लेकिन आपकी भागीदारी में निरंतरता या गहराई की कमी हो सकती है। आप समूह सेटिंग में बेचैन महसूस कर सकते हैं, लगातार नए अनुभवों या अपने क्षितिज का विस्तार करने के तरीकों की तलाश कर सकते हैं।

काल सर्प दशा रिपोर्ट

यदि सभी 7 ग्रह राहु और केतु के बीच स्थित हों, तो काल सर्प योग बनता है। इसलिए ऐसे जातकों को काल सर्प योग का उपाय करना चाहिए ताकि कुंडली के शुभ ग्रह शुभ फल प्रदान कर सकें।
राहु की कुंडली में 12 भावों में स्थिति के अनुसार काल सर्प योग के 12 प्रकार होते हैं:

1 अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकी, 4. शंखपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शंखचूड़, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।
काल सर्प योग दो प्रकार का होता है— आरोही और अवरोही। यदि सभी 7 ग्रह राहु के मुख से निगले गए हों, तो वह आरोही काल सर्प योग कहलाता है। यदि सभी ग्रह राहु के पीछे स्थित हों, तो अवरोही काल सर्प योग बनता है।

आपकी काल सर्प रिपोर्ट

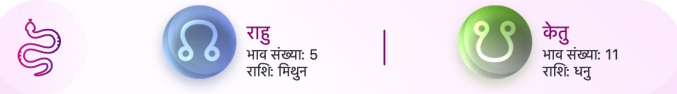

Kumar Kartikey, आपकी जन्मपत्रिका में अनुदित रूप में कालसर्प दोष विद्यमान है। आपकी कुंडली में कालसर्प दोष पूर्ण रूप से विद्यमान एवं प्रबल है।

आपकी जन्मपत्रिका में पद्म नामक कालसर्प योग बन रहा है।

इसके कारण जातक के विद्याध्ययन में कुछ व्यवधान उपस्थित होता है। परंतु कालान्तर में वह व्यवधान समाप्त हो जाता है। उन्हें संतान प्राय: विलंब से प्राप्त होती है, या संतान होने में आंशिक रूप से व्यवधान उपस्थित होता है। जातक को पुत्र संतान की प्राय: चिंता बनी रहती है। जातक का स्वास्थ्य कभी-कभी असामान्य हो जाता है। इस योग के कारण दाम्पत्य जीवन सामान्य होते हुए भी कभी-कभी अधिक तनावपूर्ण हो जाता है। परिवार में जातक को अपयश मिलने का भी भय बना रहता है। जातक के मित्रगण स्वार्थी होते हैं और वे सब उसका पतन कराने में सहायक होते हैं। जातक को तनावग्रस्त जीवन व्यतीत करना पड़ता है। इस योग के प्रभाव से जातक के गुप्त शत्रू भी होते हैं। वे सब उसे नुकसान पहुंचाते हैं। उसके लाभ मार्ग में भी आंशिक बाधा उत्पन्न होती रहती है एवं चिंता के कारण जातक का जीवन संघर्षमय बना रहता है। जातक द्वारा अर्जित सम्पत्ति को प्राय: दूसरे लोग हड़प लेते हैं।

सकारात्मक प्रभाव

रचनात्मक और बौद्धिक क्षमताएँ।
सट्टा से लाभ की संभावना।
मजबूत सामाजिक संपर्क।

नकारात्मक प्रभाव

शिक्षा और प्रेम जीवन में समस्याएँ।
संतान से जुड़ी परेशानियाँ।
सफलता में विलंब।

जब राहु पंचम भाव में और केतु एकादश भाव में होता है, तब शिक्षा, प्रेम संबंधों और संतान से जुड़ी समस्याएँ सामने आ सकती हैं। अध्ययन और रोमांटिक जीवन में कठिनाइयाँ हो सकती हैं, साथ ही संतान से जुड़े मुद्दे भी उत्पन्न हो सकते हैं। सकारात्मक पक्ष यह है कि यह दोष आपकी रचनात्मक और बौद्धिक क्षमताओं को बढ़ा सकता है। आपके सामाजिक संपर्क मजबूत हो सकते हैं और सट्टा जैसे क्षेत्रों से लाभ की संभावना हो सकती है। आपकी रचनात्मकता और बुद्धिमत्ता प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद उल्लेखनीय सफलता दिला सकती है।

उपाय

भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करें: अपने जीवन में शांति और समृद्धि लाने के लिए नियमित रूप से भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करना अपनी आदत बनाएँ। विष्णु सहस्रनाम का जाप करें: ईश्वरीय सुरक्षा के लिए प्रतिदिन, या कम से कम गुरुवार को, विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। अनाज और वस्त्र दान करें: सकारात्मक कर्म करने के लिए, विशेष रूप से गुरुवार के दिन, ज़रूरतमंदों को चावल, गेहूँ या पीले वस्त्र दान करें। काल सर्प पूजा करें: भगवान शिव को समर्पित किसी मंदिर में जाएँ या किसी अनुभवी पुजारी की मदद से काल सर्प दोष निवारण पूजा करें। गायों को चारा खिलाएँ: इस योग के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए बुधवार को गायों को हरी घास या गुड़ खिलाएँ।

आपको क्या टालना चाहिए

प्रेम और रिश्तों में जल्दबाज़ी में फ़ैसले लेने से बचें: अपने प्रेम जीवन और रिश्तों में आवेगपूर्ण फ़ैसले लेने से बचें। सट्टेबाज़ी में न पड़ें: जुआ, शेयर बाज़ार या किसी भी तरह के सट्टेबाज़ी से दूर रहें, क्योंकि इससे आर्थिक नुकसान हो सकता है। वाद-विवाद से दूर रहें: अपने जीवन में शांति बनाए रखने के लिए, ख़ासकर अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ, अनावश्यक वाद-विवाद से बचें। बड़ों का अनादर न करें: हमेशा बड़ों का सम्मान करें और अपने ऊपर पड़ने वाली नकारात्मक ऊर्जाओं को कम करने के लिए उनका आशीर्वाद लें। इन उपायों का पालन करके और इन कार्यों से बचकर, आप पद्म कालसर्प योग की ऊर्जा को संतुलित कर सकते हैं और अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध जीवन जी सकते हैं।

मंगल दोष

बृहत् पाराशर होरा शास्त्र के अध्याय 80 के श्लोक 47, 48 और 49 के अनुसार, यदि कुंडली में मंगल ग्रह 1, 4, 7, 8 या 12वें भाव में स्थित हो, तो मंगलीक दोष बनता है। लेकिन शुभ ग्रहों की युति या दृष्टि होने पर मंगलीक दोष के प्रभावों का नाश हो सकता है। मंगलीक दोष के अच्छे और बुरे दोनों पक्ष होते हैं। यह विवाह में देरी और दुर्भाग्य ला सकता है। दूसरी ओर, यह पेशेवर जीवन में प्रगति भी दिला सकता है। मंगलीक दोष वाले लोग सेना, खेल और राजनीति जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

लग्न चार्ट

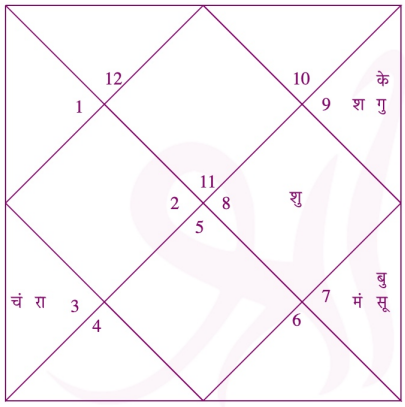

ग्रह का नाम
मंगल

ग्रह की राशि
तुला

भाव संख्या
9

मांगलिक दशा विश्लेषण

Kumar Kartikey, चूंकि मंगल ग्रह नवें भाव में, तुला राशि में है, इसलिए आप मंगलीक नहीं हैं.

Sri Astro Vastu©

साढ़े साती

साढ़े साती" एक 7.5 वर्ष की अवधि होती है जब शनि (शनि ग्रह) तीन राशियों से गुजरता है: चंद्र राशि से पहले की, चंद्र राशि, और उसके बाद की राशि। यह तब शुरू होती है जब शनि चंद्र राशि से पहले वाली राशि में प्रवेश करता है और तब समाप्त होती है जब वह चंद्र राशि के बाद वाली राशि से बाहर निकलता है। चूँकि शनि एक राशि में लगभग 2.5 वर्ष बिताता है, तीन राशियों को पार करने में उसे 7.5 वर्ष लगते हैं, इसलिए इसे "साढ़े साती" कहा जाता है।

व्यक्ति अपने जीवन में तीन बार साढ़े साती का अनुभव करता है: एक बार बचपन में, एक बार युवावस्था में, और एक बार वृद्धावस्था में। हर बार इसका प्रभाव अलग होता है:

- बचपन में यह माता-पिता और शिक्षा को प्रभावित करता है।
- युवावस्था में यह करियर, आर्थिक स्थिति और परिवार पर प्रभाव डालता है।

  वृद्धावस्था में यह मुख्य रूप से स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

चंद्र कुंडली

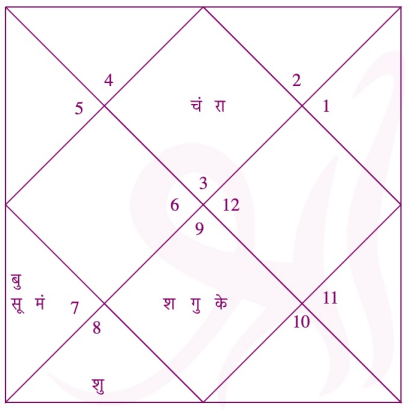

ग्रह का नाम
Saturn

चंद्र राशि
मिथुन

ग्रह की राशि
मीन

साढ़े साती विश्लेषण

नहीं, आप पर इस समय साढ़ेसाती का प्रभाव नहीं है।

जीवन रत्न

रत्न का नाम : नीलम

नीलम एक प्रसिद्ध रत्न है जिसे हिंदी में 'नीलम' कहा जाता है। यह रत्न खनिज कोरंडम का एक प्रकार है, और इसका नीला रंग लोहे और टाइटेनियम की थोड़ी मात्रा के कारण होता है। यह मुख्य रूप से श्रीलंका, म्यांमार और कश्मीर जैसे देशों में पाया जाता है। इसकी गहराई लिए हुए नीली आभा और पारदर्शिता के कारण इसे अत्यंत कीमती माना जाता है। वैदिक ज्योतिष में नीलम शनि ग्रह से जुड़ा होता है। यह माना जाता है कि यह रत्न त्वरित धन, समृद्धि और समस्याओं से मुक्ति दिलाता है, लेकिन इसे पहनने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि यह एक शक्तिशाली रत्न है जो सभी को सूट नहीं करता।

विकल्प: अमेथिस्ट (कतैला), ब्लू स्पिनल, आइओलाइट (नीली)

दिन: (शनिवार)

शनिवार को नीलम पहनना सबसे शुभ माना जाता है, क्योंकि यह दिन शनि ग्रह द्वारा शासित होता है, जो नीलम से संबंधित है।

उंगली: (मध्यमा अंगुली)

नीलम पुरुष और महिलाओं दोनों को दाहिने हाथ की मध्यमा अंगुली में पहनना चाहिए। यह अंगुली परंपरागत रूप से शनि से जुड़ी मानी जाती है।

वजन: (2 से 5 कैरेट)

नीलम का आदर्श वजन आमतौर पर 2 से 5 कैरेट के बीच होता है। सही वजन व्यक्ति के शारीरिक वजन और कुंडली के अनुसार तय किया जाना चाहिए, लेकिन कम से कम 2 कैरेट का रत्न आमतौर पर प्रभावी परिणामों के लिए सुझाया जाता है।

देवता: "भगवान शनि (शनि)"

नीलम रत्न शनि देव से संबंधित होता है, जो कर्म और न्याय के देवता माने जाते हैं। इसे पहनने से भगवान शनि की कृपा प्राप्त होती है और व्यक्ति को अनुशासन, धैर्य और स्थिरता मिलती है।

धातु: "चांदी, सफेद सोना और पंचधातु"
चांदी: शनि ग्रह के साथ गहरा संबंध होने के कारण सबसे उपयुक्त धातु।
सफेद सोना: चांदी का एक विकल्प जो नीलम के साथ अच्छी तरह कार्य करता है।

पंचधातु: पाँच धातुओं का मिश्रण, जो ज्योतिषीय दृष्टिकोण से लाभदायक माना जाता है।

धारण करने का समय: (शनिवार सुबह)

नीलम की अंगूठी शनिवार की सुबह शुक्ल पक्ष में और शनि होरा (शनि के प्रभाव का समय) के दौरान पहननी चाहिए।

मंत्र: "ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः"

नीलम पहनने से पहले भगवान शनि की कृपा प्राप्त करने हेतु इस मंत्र का 108 बार जाप करें:
"ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः"

ऊर्जावान करने की प्रक्रिया

शुद्धिकरण: पहनने से पहले नीलम को गाय के दूध, गंगाजल और शहद के मिश्रण में कम से कम 30 मिनट के लिए भिगोकर शुद्ध करें।
मंत्र जाप: शुद्धिकरण करते समय शनि मंत्र का 108 बार जाप करें।
अर्पण: नीलम को एक स्वच्छ कपड़े पर रखें और फूल, धूप तथा काले तिल चढ़ाएं, भगवान शनि से आशीर्वाद मांगें।
पहनना: शुद्धिकरण और ऊर्जावान प्रक्रिया के बाद, निश्चित दिन और समय पर नीलम धारण करें।

शुभ रत्न

रत्न का नाम : पन्ना

पन्ना हरे रंग का एक कीमती रत्न है, जिसे हिंदी में 'पन्ना' कहा जाता है। यह रत्न वैदिक ज्योतिष में बुध ग्रह से संबंधित माना जाता है। यह बौद्धिक क्षमताओं, संचार कौशल और रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली रत्न माना जाता है। पन्ना समृद्धि लाने और भावनात्मक संतुलन सुधारने में भी सहायक माना जाता है। यह रत्न आमतौर पर हल्के हरे से लेकर गहरे, चमकदार हरे रंग तक के शेड्स में पाया जाता है। रंग जितना गहरा और पारदर्शी होता है, रत्न की गुणवत्ता उतनी ही अधिक मानी जाती है। पन्ना की मोस कठोरता 7.5-8 होती है, जो इसे अपेक्षाकृत टिकाऊ बनाती है, लेकिन नीलम जैसे कठोर रत्नों की तुलना में यह चिपिंग के लिए अधिक प्रवण होता है। पन्ना में अक्सर 'जर्दिन' (बगीचा) नामक प्राकृतिक समावेशन होते हैं, जिन्हें रत्न की विशेषता के रूप में स्वीकार किया जाता है। हालांकि, कम समावेशन आमतौर पर उच्च गुणवत्ता का संकेत देते हैं।

विकल्प: (पेरिडॉट, ग्रीन टूमलाइन, या ग्रीन ओनिक्स)

दिन: (बुधवार)

बुधवार (बुधवार) को पन्ना पहनने के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है, क्योंकि यह बुध ग्रह द्वारा शासित होता है।

उंगली: (छोटी उंगली)

पन्ना आदर्श रूप से दाहिने हाथ की छोटी उंगली (पिंकी) में पहना जाना चाहिए। कुछ परंपराओं में, इसे ज्योतिषीय चार्ट के अनुसार अनामिका में भी पहना जा सकता है।

वजन: (6 कैरेट)

पन्ना का आदर्श वजन आमतौर पर पहनने वाले के शरीर के वजन पर आधारित होता है। सामान्य सिफारिश शरीर के वजन के लगभग 1/10वें हिस्से के बराबर कैरेट में होती है। उदाहरण के लिए, यदि किसी का वजन 60 किलोग्राम है, तो 6 कैरेट का पन्ना सुझाया जाएगा।

देवता: भगवान विष्णु

यह रत्न भगवान विष्णु से संबंधित है, जिन्हें ब्रह्मांड के रक्षक और संरक्षक के रूप में माना जाता है। पन्ना पहनने से ज्ञान और समृद्धि के लिए विष्णु के आशीर्वाद की प्राप्ति होती है।

धातु: (सोना या चांदी)
पन्ना पारंपरिक रूप से सोने या चांदी में जड़ा जाता है। दोनों धातुएं बुध की ऊर्जा के साथ अच्छी तरह से सामंजस्य स्थापित करती हैं, हालांकि उनके बीच चयन व्यक्ति की कुंडली पर निर्भर कर सकता है।

धारण करने का समय: (बुधवार सुबह)

पन्ना बुधवार सुबह शुक्ल पक्ष (चंद्रमा के बढ़ते चरण) के दौरान पहना जाना चाहिए, आदर्श रूप से सूर्योदय के पहले घंटे के भीतर।

मंत्र: "ॐ बुं बुधाय नमः"

पन्ना पहनने से पहले, रत्न को ऊर्जा देने के लिए बुध मंत्र का जाप करने की सिफारिश की जाती है:
"ॐ बुं बुधाय नमः"
"Om Bum Budhaya Namah"
मंत्र का जाप 108 बार करते हुए रत्न पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ऊर्जावान करने की प्रक्रिया

पन्ना पहनने से पहले इसे शुद्ध और ऊर्जा से भरपूर करना चाहिए। यह कच्चे दूध, शहद और गंगाजल के मिश्रण में कम से कम 30 मिनट तक डुबोकर किया जा सकता है। इसके बाद, रत्न को साफ पानी से धोकर एक हरे कपड़े पर रखें। रत्न के सामने घी का दीपक और अगरबत्ती जलाएं, बुध मंत्र का जाप करें, और फिर निर्धारित उंगली में अंगूठी पहनें।

सौभाग्यशाली रत्न

रत्न का नाम : हीरा

डायमंड, हिंदी में 'हीरा' के नाम से जाना जाता है, पृथ्वी पर पाया जाने वाला सबसे कठोर प्राकृतिक पदार्थ है। यह पृथ्वी की मंथल के गहरे हिस्सों में अत्यधिक दबाव और तापमान के तहत बनता है। लाखों वर्षों में, ये कार्बन परमाणु क्रिस्टलीकरण कर हीरे का रूप लेते हैं। डायमंड को शुद्धता, ताकत और शाश्वत प्रेम का प्रतीक माना जाता है। वेदिक ज्योतिष में, डायमंड को शुक्र ग्रह से जुड़ा हुआ माना जाता है और इसे पहनने से व्यक्ति की कलात्मक क्षमताओं, आकर्षण और वित्तीय समृद्धि में वृद्धि होती है।

विकल्प: सफेद जिरकन (जारकन) सफेद नीलम (सफेद पुखराज) मॉयसानाइट

दिन: (शुक्रवार)

डायमंड पहनने के लिए शुक्रवार को सबसे शुभ दिन माना जाता है। इसका कारण यह है कि शुक्रवार को शुक्र ग्रह द्वारा शासित किया जाता है, जो डायमंड से जुड़ा हुआ है।

उंगली: (मध्यमा उंगली)

डायमंड को पुरुषों के लिए दाएं हाथ की मध्यमा उंगली पर और महिलाओं के लिए बाएं हाथ की मध्यमा उंगली पर पहनना चाहिए। वैकल्पिक रूप से, इसे रिंग फिंगर पर भी पहना जा सकता है, यह व्यक्तिगत ज्योतिषीय सलाह पर निर्भर करता है।

वजन: (0.5 से 1.5 कैरेट)

डायमंड का आदर्श वजन आमतौर पर 0.5 से 1.5 कैरेट के बीच होता है, जो पहनने वाले के शरीर के वजन और ज्योतिषीय चार्ट पर निर्भर करता है। सामान्य रूप से, एक न्यूनतम वजन 0.5 कैरेट का सुझाव दिया जाता है ताकि डायमंड प्रभावी हो सके।

देवता: (लक्ष्मी देवी)

डायमंड को लक्ष्मी देवी से जुड़ा हुआ माना जाता है, जो धन, समृद्धि और ऐश्वर्य की हिंदू देवी हैं। ऐसा माना जाता है कि डायमंड पहनने से लक्ष्मी देवी का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जो पहनने वाले की भौतिक समृद्धि और खुशी को बढ़ाता है।

धातु: (प्लैटिनम, सफेद सोना, और चांदी)
प्लैटिनम: इसका स्थायित्व और तटस्थ ऊर्जा के कारण यह पसंदीदा धातु है।

सफेद सोना: प्लैटिनम का एक विकल्प, जो समान गुण प्रदान करता है लेकिन कम लागत पर।

चांदी: यह भी एक विकल्प है, हालांकि डायमंड सेटिंग के लिए यह कम सामान्य है।

धारण करने का समय: (शुक्रवार सुबह)

डायमंड अंगूठी को शुक्रवार सुबह शुक्ल पक्ष में या शुक्र होरा (शुक्र ग्रह द्वारा शासित ज्योतिषीय समय) सूर्योदय के समय पहनना चाहिए।

मंत्र: ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः

डायमंड पहनने से पहले, शुक्र ग्रह का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए इस मंत्र का 108 बार उच्चारण करना चाहिए।
"Om Draam Dreem Draum Sah Shukraya Namah"

ऊर्जावान करने की प्रक्रिया

शुद्धिकरण: पहनने से पहले, डायमंड को दूध, शहद और पवित्र जल के मिश्रण में कम से कम 30 मिनट तक भिगोकर शुद्ध करें।

मंत्र उच्चारण: जब डायमंड शुद्ध हो रहा हो, तब शुक्र मंत्र का 108 बार उच्चारण करें।

अर्पण: डायमंड को एक साफ कपड़े पर रखें और उसे फूल, धूप और मिठाइयाँ अर्पित करें, शुक्र और लक्ष्मी देवी से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए।

पहनना: शुद्धिकरण और ऊर्जा प्रदान करने के बाद, डायमंड को निर्धारित दिन और समय पर पहनें।

रुद्राक्ष भविष्यवाणी

रुद्राक्ष एक संस्कृत शब्द है। यदि हम इस शब्द को दो भागों में विभाजित करें, तो हमें दो शब्द मिलते हैं: रुद्र और अक्ष। रुद्र का अर्थ है भगवान शिव, और अक्ष का अर्थ है भगवान शिव के आंसू। हिंदू पुराणों के अनुसार, शिव के आंसू पृथ्वी पर रुद्राक्ष के पेड़ के रूप में गिरे थे। रुद्राक्ष का पेड़ एलेकैरपेसी परिवार से संबंधित है और यह बरगद के पेड़ जितना विशाल होता है, जिसमें बीज गूदा और बाहरी त्वचा से ढके होते हैं। सूखने के बाद इसकी त्वचा काली हो जाती है और इसके ऊपर से रेखाएँ निकलने लगती हैं जो शीर्ष से नीचे तक जाती हैं, और इससे 'मुख' या 'चेहरे' नामक स्पष्ट क्षेत्रों का विभाजन होता है। रुद्राक्ष को इसके मुखों की संख्या के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, जो एक से लेकर इक्कीस तक हो सकते हैं।

कभी-कभी रुद्राक्ष जुड़वां के रूप में पाया जाता है, जिसे भगवान शिव और पार्वती (देवी) के प्रतीक के रूप में माना जाता है। इन्हें गौरी शंकर रुद्राक्ष कहा जाता है। इसी प्रकार, यदि तीन रुद्राक्ष एक साथ होते हैं, तो इन्हें शिव, शक्ति और गणेश या ब्रह्मा, विष्णु और महेश के प्रतीक माना जाता है। लेकिन इस प्रकार के रुद्राक्ष बहुत ही दुर्लभ होते हैं। शास्त्रों जैसे रुद्राक्ष जाबालोपनिषद, शिव पुराण, देवी पुराण, और पद्म पुराण में रुद्राक्ष बीजों के महत्व का गुणगान किया गया है।

आपके लिए रुद्राक्ष सुझाव

Ten-Faced Rudraksha

दसमुखी रुद्राक्ष भगवान विष्णु और उनके दस अवतारों (दशावतार) से जुड़ा है। यह एक शक्तिशाली रक्षक है जो नकारात्मकता को दूर करता है, बुरी नज़र और काले जादू से बचाता है, और अशुभ ग्रहों के प्रभावों को बेअसर करता है। यह शांति, आध्यात्मिक उत्थान और सुरक्षा का एक प्रबल आभामंडल लाता है, जिससे यह आध्यात्मिक संकट या भय-आधारित चिंता से जूझ रहे लोगों के लिए उपयुक्त है।

अंकज्योतिष भविष्यवाणी

2	6	6	1,8
घनत्व संख्या	मूलांक संख्या	नाम संख्या	अशुभ संख्या

नाम	Kumar Kartikey
तिथि	15-11-2019
भाग्यांक	2
मूलांक	6
नामांक	6
अशुभ अंक	1,8
पसंदीदा रंग	सफेद
पसंदीदा दिन	गुरुवार, मंगलवार, शुक्रवार
पसंदीदा देवता	देवी
पसंदीदा मंत्र	॥ओम शुम शुक्राय नमः॥
पसंदीदा धातु	चांदी
पसंदीदा रत्न	हीरा, ओपल
पसंदीदा उपरत्न	जिरकॉन , सफेद नीलम
मित्र अंक	4,3,9
तटस्थ अंक	2,5,7
मूलांक	6
मूलांक स्वामी	शुक्र

संख्या आपके बारे में क्या कहती है

आपका मूलांक छः है। इसका अधिष्ठाता शुक्र ग्रह है। मूलांक छः के प्रभाववश आप के अन्दर आकर्षण शक्ति तथा मिलन सारिता अधिक रहेगी। इस गुण के कारण आप लोक प्रियता प्राप्त करेंगे। सुन्दरता, सुन्दर वस्तुओं की ओर आकृष्ट होना आपकी सहज प्रवृत्ति होगी। विपरीत सेक्स के प्रति आपका आकर्षण रहेगा एवं सुन्दर नर-नारियों से संबंध बनाना, वार्तालाप करना आपकी प्रकृति में रहेगा। विभिन्न कलाओं के क्षेत्र में आपकी अभिरुचि रहेगी एवं कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार-व्यापार भी बना सकते हैं। संगीत-साहित्य, ललितकला, चित्रकला इत्यादि में रुचि रखेंगे। सुन्दर वस्त्र धारण करना एवं सुसज्जित मकान में रहना आपको अच्छा लगेगा। अतिथियों का आदर सत्कार करने में आपको गर्व महसूस होगा। घर या कार्यालय में सभी वस्तुऐं ढंग से सजावट के साथ रखना, सुरुचिपूर्ण फर्नीचर, परदे इत्यादि रखना आपको रास आयेगा। स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं आपकी हमेशा यही कोशिश रहेगी कि आपकी बात को सामने वाला मान जाया करे। किसी बात पर अड़े रहना तथा ईष्या की मात्रा आपके अन्दर अधिक रहेगी। आप कार्यक्षेत्र में किसी की प्रतिद्वन्दिता को आसानी से सहन नहीं कर पायेंगे। जिसके कारण कभी-कभी मानसिक तनाव एवं आत्मग्लानि का भी सामना करना पड़ेगा। आप दूसरों को अपना बना लेने की कला में पारंगत रहेंगे। शीघ्र मित्र बनाने की कला आपके अन्दर अधिक मात्रा में होने से आपके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी।

10 वर्ष भविष्यवाणी

वार्षिक भविष्यवाणी - 2026

इस वर्ष शनि मीन राशि में द्वितीय भाव में रहेगा। 25 नवंबर तक राहु कुंभ राशि में प्रथम भाव में रहेगा और मकर राशि में द्वादश भाव में गोचर करेगा। वर्ष के पूर्वार्ध में बृहस्पति मिथुन राशि में पंचम भाव में रहेगा और 2 जून को कर्क राशि में षष्ठ भाव में गोचर करेगा। 31 अक्टूबर को बृहस्पति तीव्र गति से सिंह राशि में सप्तम भाव में प्रवेश करेगा। इस वर्ष मंगल अपनी सामान्य गति से भ्रमण करेगा। वर्ष की शुरुआत में 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेगा और अक्टूबर में भी चौदह दिन अस्त रहेगा।

पेशा

यह वर्ष कार्य और पेशे के मामले में अधिक लाभ देने वाला नहीं होगा। व्यवसाय में सफलता का परचम लहराने के लिए आपको अथक और ईमानदार प्रयास करने होंगे। दूसरे भाव में शनि का विराजमान होना इस बात का संकेत है कि व्यवसाय में आउटपुट की तुलना में इनपुट अधिक होगा। इसलिए, बेहतर होगा कि पहले से चल रहे व्यवसाय में कोई नया सुधार शुरू न करें। कार्यस्थल पर बोलचाल की भाषा पर नियंत्रण रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। 2 जून के बाद, यह समय अपनी एक धुंधली छवि प्रस्तुत करेगा। छठे भाव में बृहस्पति के प्रभाव के कारण आपके व्यवसाय में उतार-चढ़ाव की संभावना है। अपना आत्मविश्वास बनाए रखें, कार्यस्थल पर परिवार के सदस्यों को शामिल न करें। साझेदारी में व्यवसाय करना आपके लिए फलदायी नहीं होगा। जातकों की नौकरी को उनके अधिकारियों से सहयोग नहीं मिलेगा। आपके उच्च अधिकारी आपके लिए विषम परिस्थितियाँ पैदा कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक कष्ट हो सकता है।

धन, संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष आपके लिए उतना अच्छा नहीं रहेगा। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति एकादश भाव पर दृष्टि प्रभाव डाल रहा है जो आय के निरंतर प्रवाह का संकेत है। लेकिन शनि का दूसरे भाव में स्थित होना आपको वांछित बचत करने से रोकेगा। 2 जून के बाद, ऐसे खर्चे होंगे जो आपके बजट को बिगाड़ सकते हैं। ऐसे निवेशों से बचें जिनमें किसी भी प्रकार का जोखिम हो, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। परिवार के सदस्यों को हुई बीमारियों के इलाज पर भी आपका खर्च हो सकता है। किसी को भी पैसा उधार न दें क्योंकि इसके वापस आने की संभावना बहुत कम होती है और यह आपके व्यक्तिगत खर्चों पर अंकुश लगाता है।

घर, परिवार और समाज

यह वर्ष पारिवारिक और सामाजिक दृष्टिकोण से मिश्रित फलदायी रहेगा। आपकी पूर्व व्यस्तताएँ आपको अपने परिवार के सदस्यों के लिए पर्याप्त समय नहीं दे पाएँगी। फिर भी परिवार के सदस्यों के बीच आपसी सहयोग का भाव बना रहेगा। संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले जातकों को संतान प्राप्ति के लिए इस शुभ समय का लाभ अवश्य उठाना चाहिए क्योंकि बृहस्पति पंचम भाव पर अपना प्रभाव डाल रहा है। आपको बड़े भाइयों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। 2 जून के बाद शनि और बृहस्पति, दोनों का द्वितीय भाव पर गोचर होने से आपके परिवार में एक सदस्य का आगमन हो सकता है। यह समय आपके मामा के लिए अत्यंत अशुभ है। 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति सप्तम भाव में गोचर करेगा। उस समय आपके अपने मित्रों, भाई-बहनों और जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में और वृद्धि होगी।

बच्चे

वर्ष का पूर्वार्ध संतान के दृष्टिकोण से शुभ रहेगा। चूँकि बृहस्पति पंचम भाव में सकारात्मक है, इसलिए आपके बच्चों की शिक्षा के प्रति महत्वाकांक्षा उच्च स्तर पर होगी। आपके बच्चे प्रगतिशील होंगे। यदि उनकी आयु विवाह योग्य हो रही है, तो उनके विवाह के लिए तैयार रहें। 2 जून के बाद, समय का नकारात्मक पहलू देखने को मिलेगा। परिणामस्वरूप, बच्चों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। इसलिए, उनके स्वास्थ्य के प्रति सावधान और सतर्क रहना आवश्यक है। 31 अक्टूबर के बाद, वर्ष की अवधि आपके दूसरे बच्चे के लिए शुभ रहेगी।

धार्मिक

आप अपने धार्मिक गुरु का आदर करेंगे। मंत्रों (वैदिक भजन) के पाठ और तंत्र साधना में आपकी विशेष रुचि होगी। अधिक दान-पुण्य करेंगे। 1. प्रतिदिन "दुर्गास्फटिक पाठ" का पाठ करें और नीले रंग की वस्तुओं का दान करें। 2. माता-पिता, धार्मिक उपदेशकों, साधु-संन्यासियों और अपने बड़ों का आशीर्वाद लें। 3. किसी मंदिर या धार्मिक स्थान पर केले या बेसन के लड्डू दान करें। अनाज या पीली वस्तुएं दान में दें। 4. शनिवार के दिन गरीबों को काले कंबल दान में दें।

स्वास्थ्य

वर्ष का पहला भाग स्वास्थ्य के लिहाज से ज़्यादा अनुकूल नहीं रहेगा। लग्न में राहु आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति पैदा करेगा। कभी-कभी आपको ऐसा लगेगा जैसे आप बीमार हैं, हालाँकि आप पूरी तरह से स्वस्थ हैं। 2 जून के बाद, बृहस्पति का गोचर प्रतिकूल होने से आपका स्वास्थ्य और भी खराब हो सकता है। बृहस्पति छठे भाव में जलीय राशि में होने के कारण कफ, खांसी या पेट संबंधी रोग हो सकते हैं।

यात्रा और स्थानांतरण

यात्रा के लिहाज से यह वर्ष मध्यम रूप से शुभ रहेगा। वर्ष की शुरुआत में, नवम भाव में बृहस्पति की दृष्टि लंबी यात्राओं का संकेत दे रही है। तीर्थयात्रा के संकेत हैं। 2 जून के बाद, बृहस्पति की द्वादश भाव पर दृष्टि के कारण आप लंबी यात्राएँ कर सकते हैं। यह समय उन लोगों के लिए फलदायी है जो विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं।

कैरियर और प्रतियोगिता

यह वर्ष प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए औसत परिणाम देने वाला रहेगा, लेकिन वर्ष का पूर्वार्ध विद्यार्थियों के लिए उत्तम रहेगा। पंचम भाव में बृहस्पति के प्रभाव के कारण, उच्च शिक्षा के इच्छुक अभ्यर्थी किसी उच्च-स्तरीय शिक्षण संस्थान में प्रवेश प्राप्त करेंगे। व्यावसायिक या तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे जातकों के लिए यह समय सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। बृहस्पति के गोचर के बाद, समय अनुकूल नहीं रहेगा। प्रतियोगियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए अतिरिक्त अथक प्रयास करने होंगे। बेरोजगार जातकों को रोजगार भूलकर और अधिक समय तक प्रतीक्षा करनी होगी।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2027

वर्ष के पूर्वार्ध में शनि मीन राशि के द्वितीय भाव में रहेगा और 3 जून को मेष राशि के तृतीय भाव में प्रवेश करेगा। 3 अक्टूबर को वक्री होकर शनि पुनः मीन राशि के द्वितीय भाव में प्रवेश करेगा। राहु मकर राशि के द्वादश भाव में रहेगा। 25 जनवरी को वक्री बृहस्पति कर्क राशि के षष्ठ भाव में प्रवेश करेगा और 26 जून को मार्गी होकर सिंह राशि के सप्तम भाव में प्रवेश करेगा, तथा 26 नवंबर को अपनी तीव्र गति के कारण कन्या राशि के अष्टम भाव में प्रवेश करेगा। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक वक्री मंगल सिंह राशि के सप्तम भाव में रहेगा। 21 जुलाई से 7 सितंबर तक शुक्र अस्त रहेगा।

पेशा

वर्ष का पहला भाग कार्यक्षेत्र के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। अथक प्रयासों के बावजूद व्यावसायिक सफलता की उम्मीद बहुत कम रहेगी। शनि, राहु और बृहस्पति का गोचर आपके प्रयासों के लिए सर्वोत्तम रहेगा। शनि, राहु और बृहस्पति का गोचर प्रतिकूल रहेगा, इसलिए आपके प्रयासों के फलस्वरूप प्राप्त परिणामों का अनुपात बहुत कम रहेगा। गुप्त शत्रुओं के साथ-साथ प्रत्यक्ष शत्रु भी आपके कार्यक्षेत्र में बाधाएँ उत्पन्न कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों या वरिष्ठ व्यक्तियों का सहयोग मिलना असंभव सा रहेगा। अपना आत्मविश्वास बनाए रखें। नौकरीपेशा जातकों को अपने वरिष्ठों का सहयोग नहीं मिलेगा। आपको अपने उच्च अधिकारियों द्वारा डाँट-फटकार और उत्पीड़न का सामना भी करना पड़ सकता है। जून के बाद समय अनुकूल होता जा रहा है। पत्नी या मित्रों के सहयोग से आपको लाभ होगा। आप किसी के साथ मिलकर कोई ऐसा व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जो आपके लिए लाभदायक हो। नौकरीपेशा जातकों का कार्यस्थल पर सम्मान होगा। 26 नवंबर के बाद कोई नया व्यवसाय शुरू न करें, अन्यथा आपको भारी नुकसान हो सकता है।

धन, संपत्ति

वर्ष का पहला भाग आर्थिक दृष्टिकोण से अनुकूल नहीं रहेगा। वर्ष की शुरुआत से ही धन आगमन के सभी स्रोत प्रभावित होंगे। ऐसे खर्चे हो सकते हैं जिन पर पहले से संचित धन खर्च हो जाएगा। परिणामस्वरूप आपकी आर्थिक स्थिति में गिरावट आएगी। कोई भी वित्तीय निर्णय लेने से पहले स्थिति के पक्ष-विपक्ष का अच्छी तरह से आकलन कर लेना आवश्यक है, अन्यथा आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। ऐसे व्यवसाय में निवेश करने से बचें जिसमें जोखिम हो, अन्यथा आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। बीमारी से बचने के लिए धन खर्च हो सकता है। किसी को भी धन उधार न दें क्योंकि उसके वापस आने की संभावना बहुत कम है। अपनी फिजूलखर्ची पर लगाम लगाएँ। जून के बाद बृहस्पति और शनि का गोचर अनुकूल हो जाएगा, इसलिए यह आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार की शुरुआत है। आपका रुका हुआ या फंसा हुआ धन आपको मिल सकता है। एकादश भाव में बृहस्पति की दृष्टि आपके लिए आय के नए स्रोत खोल सकती है। आपकी पत्नी और भाइयों का सहयोग आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण कारक होगा। 26 नवंबर के बाद समय फिर से अनुकूलता की ओर बढ़ेगा। इसलिए, उस समय आपको अनावश्यक खर्च न करने के प्रति बहुत सतर्क रहना होगा।

घर, परिवार और समाज

26 नवंबर को यह अपनी तीव्र गति के कारण कन्या राशि के अष्टम भाव में प्रवेश करेगा। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक वक्री मंगल सिंह राशि के सप्तम भाव में रहेगा। 21 जुलाई से 7 सितंबर तक शुक्र अस्त रहेगा। पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्ध शुभ नहीं रहेगा। परिवार के सदस्यों के बीच भावनात्मक लगाव में कमी आ सकती है। अपनी भाषा और वाणी पर नियंत्रण रखें। मातृ पक्ष से सहयोग में कमी रहेगी। बृहस्पति के गोचर के बाद परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य में सुधार होगा। आपके अपने इष्ट-मित्रों और पत्नी के साथ संबंध मधुर और समन्वित होंगे। परिवार में शांतिपूर्ण वातावरण पुनः स्थापित होगा, जिसमें आपकी पत्नी की महत्वपूर्ण भूमिका है। तृतीय भाव पर शनि और बृहस्पति के संयुक्त गोचर प्रभाव के कारण समाज में आपका मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठा उच्च स्तर पर पहुँचेगी। भाइयों का सहयोग भरपूर मिलेगा। वर्ष का अंतिम महीना अपेक्षित स्तर तक शुभ नहीं रहेगा।

बच्चे

वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति का गोचर अनुकूल नहीं है, इसलिए यह संतान के लिए अनुकूल नहीं है। संतान के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और परिणामस्वरूप उनकी शिक्षा में गिरावट आ सकती है। जून के बाद का समय आपकी संतान की इच्छा के अनुरूप रहेगा, जिससे आपको अपने कार्यक्षेत्र में सफलता मिल सकती है। यदि आप उच्च शिक्षा के इच्छुक हैं, तो उनका नाम किसी प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान की प्रवेश सूची में आ सकता है। यदि आपकी दूसरी संतान विवाह योग्य है, तो उसका विवाह हो सकता है। यदि आप संतान प्राप्ति के इच्छुक हैं, तो गर्भधारण के लिए अनुकूल समय चल रहा है। लेकिन वर्ष का अंतिम महीना आपके लिए शुभ नहीं रहेगा।

धार्मिक

मानसिक उलझनों के कारण आप पूजा-पाठ और ध्यान में मन नहीं लगा पाएँगे। हालाँकि आपकी रुचि तो है, फिर भी धार्मिक कार्य करना आपके लिए स्वप्नवत रहेगा। आपके सुस्त स्वभाव के कारण आज आपका कार्य-व्यवहार भी प्रभावित हो सकता है। जून में बृहस्पति का गोचर अनुकूल रहेगा। इस अवधि में आप अपनी पत्नी के साथ कोई विशेष पूजा-पाठ करेंगे जिससे आपके परिवार में सुख-शांति, समृद्धि और मानसिक शांति बनी रहेगी। 1. माता-पिता, धर्मगुरुओं, साधु-संन्यासियों और अपने बड़ों का आशीर्वाद लें। 2. सूर्योदय के समय सूर्य को जल अर्पित करके उनकी आराधना करें। 3. शनिवार के दिन राहु से संबंधित वस्तुओं का दान करें और प्रतिदिन राहु मंत्र का जाप करें।

स्वास्थ्य

वर्ष का पहला भाग स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। चूँकि लग्न पापकर्तरी योग में है, इसलिए स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बनी रहेंगी। यदि आप किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे हैं तो यह समय आपके लिए और भी कष्टकारी रहेगा। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है, अन्यथा समस्याएँ बढ़ सकती हैं। जून के बाद बृहस्पति का गोचर शुभ होगा और इसके प्रभाव से आपके अंदर रोगों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का विकास होगा। आपका स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन बेहतर होता जाएगा। आप हर कार्य को रचनात्मक तरीके से पूरा करेंगे। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपके खान-पान और दिनचर्या में सुधार होगा।

यात्रा और स्थानांतरण

वर्ष के पूर्वार्ध में बृहस्पति बारहवें भाव में राहु पर अपनी दृष्टि डाल रहा है। यह आपकी किसी विदेशी भूमि की यात्रा का प्रबल संकेत है। जून के बाद, तृतीय भाव में शनि के गोचर प्रभाव के कारण आप छोटी यात्राओं के साथ-साथ लंबी यात्राएँ भी करेंगे। यात्राओं के दौरान अत्यधिक सावधानी बरतें क्योंकि अधिकांश ग्रह अशुभ भावों में गोचर कर रहे हैं।

कैरियर और प्रतियोगिता

यह वर्ष करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मध्यम अनुकूलता वाला रहेगा। करियर में सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। जो छात्र विदेश या दूर किसी स्थान पर शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए यह समय अनुकूल है। जून के बाद, समय में सकारात्मकता देखने को मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के लिए यह समय अनुकूल है। यदि आप व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तो सफलता आपके द्वार पर होगी।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2028

वर्ष की शुरुआत में शनि मीन राशि (द्वितीय भाव) में रहेगा और 23 फरवरी को मेष राशि (तृतीय भाव) में गोचर करेगा। राहु वर्ष की शुरुआत में मकर राशि (द्वादश भाव) में रहेगा और 24 मई को धनु राशि (ग्यारहवें भाव) में प्रवेश करेगा। बृहस्पति वर्ष की शुरुआत में कन्या राशि (अष्टम भाव) में रहेगा और 28 फरवरी को वक्री होकर सिंह राशि (सप्तम भाव) में प्रवेश करेगा। 24 जुलाई को बृहस्पति मार्गी होकर पुनः कन्या राशि (अष्टम भाव) में प्रवेश करेगा। इस वर्ष मंगल अपनी सामान्य गति से भ्रमण करेगा। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेगा।

पेशा

वर्ष की शुरुआत आपके कार्यक्षेत्र के लिए अनुकूल नहीं रहेगी। दूसरे भाव में शनि आपके कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेगा। अष्टम भाव में स्थित बृहस्पति के अनुसार, गुप्त शत्रु आपके कार्यक्षेत्र में बाधाएँ उत्पन्न कर सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों में आपको अपनी बुद्धि और सजगता का प्रयोग करना चाहिए। फ़रवरी के बाद का समय काफी अनुकूल रहेगा। आप कोई नया उद्यम शुरू कर सकते हैं। कम समय में ही बेहतर सफलता मिल सकती है। 24 जुलाई के बाद, समय फिर से विषम संभावनाओं की ओर मुड़ेगा। अपना आत्मविश्वास बनाए रखें क्योंकि एकादश भाव का राहु आपको कई तरह के लाभ दिलाएगा। आप मानसिक संतुष्टि के साथ अपने कार्यों को खुशी-खुशी पूरा करेंगे।

धन, संपत्ति

वर्ष की शुरुआत आर्थिक दृष्टिकोण से अनुकूल नहीं रहेगी। कुछ ऐसे खर्चे हो सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति का संकेत दे सकते हैं। फ़रवरी से बृहस्पति और शनि का गोचर अनुकूल हो रहा है, इसलिए आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। पुराने और लंबे समय से अटके हुए कर्ज़ों से छुटकारा मिल सकता है। रुका हुआ और बहुत समय से रुका हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है। 24 मई के बाद, ग्यारहवें भाव में राहु अचानक से स्पष्ट लाभ के संकेत दे रहा है। 24 जुलाई के बाद, बृहस्पति का गोचर अनुकूल संकेत नहीं दे रहा है। इसलिए किसी भी जोखिम भरे उद्यम में निवेश न करें। लेन-देन में हमेशा बहुत सावधानी बरतें। बच्चे या परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य पर धन खर्च हो सकता है।

घर, परिवार और समाज

वर्ष की शुरुआत पारिवारिक वातावरण के लिए अनुकूल नहीं रहेगी। अतः इन विपरीत परिस्थितियों में अपनी सहनशीलता को बढ़ाना बेहतर रहेगा। फरवरी के बाद अनुकूल समय आएगा। आपके परिवार में शांति और सद्भाव का वातावरण बनेगा। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे। तृतीय भाव में शनि का प्रभाव सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि करेगा। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। आप जन कल्याण के लिए कुछ विशिष्ट कार्य करेंगे।

बच्चे

साल की शुरुआत में बच्चों को लेकर चिंता बनी रहेगी। 28 फ़रवरी से बृहस्पति का गोचर अनुकूल हो रहा है। उसके बाद आपके बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। आपके बच्चे अपनी मानसिक क्षमताओं के बल पर सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ेंगे और कड़ी मेहनत से अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। 24 जुलाई से समय फिर से बदलेगा। उसके बाद आपके बच्चों की प्रगति में बाधा आ सकती है।

धार्मिक

वर्ष के आरंभ में दान-पुण्य का कार्य अधिक होगा। फरवरी के बाद आपका मन पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कार्यों की ओर अधिक आकर्षित होगा। ईश्वर की आराधना और मंत्र जाप में अधिक रुचि रहेगी। सप्तम भाव में बृहस्पति के प्रभाव के कारण आप अपनी पत्नी के साथ कोई विशेष पूजा-पाठ या धार्मिक कार्य संपन्न करेंगे। 1. ब्राह्मणों, बुजुर्गों, मंदिर के पुजारियों, धर्मगुरुओं, साधु-संन्यासियों की सेवा करें। 2. पीली दाल, केला और बेसन से बनी मिठाई दान में दें और गुरुवार को व्रत रखें। 3. प्रत्येक मंगलवार को हनुमान जी को लंबा चोला चढ़ाएँ। 4. शनिवार को काले कुत्तों को रोटी खिलाएँ।

स्वास्थ्य

वर्ष की शुरुआत में स्वास्थ्य के लिहाज से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। हालाँकि, 28 फ़रवरी के बाद बृहस्पति के सप्तम भाव पर गोचरीय प्रभाव के कारण आप बेहतर महसूस करेंगे। अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेने के लिए अपने दैनिक कार्यों और आहार को सही रखें। 24 जुलाई के बाद, बृहस्पति का गोचर फिर से प्रतिकूल हो जाएगा। आपको कोई बीमारी, दुर्घटना या शरीर की कोई अन्य समस्या हो सकती है। लेकिन राहु और शनि के अनुकूल गोचर के कारण, जल्दी ठीक होने की संभावना है। सुबह योग या व्यायाम करें।

यात्रा और स्थानांतरण

साल की शुरुआत में ही विदेश यात्रा आपका इंतज़ार कर रही है। छोटी-बड़ी और लंबी यात्राएँ लगातार होंगी। 23 फ़रवरी के बाद आप कई लंबी यात्राएँ करेंगे। पेशेवर लोग अपने पेशे के सिलसिले में यात्राएँ करेंगे।

कैरियर और प्रतियोगिता

वर्ष की शुरुआत में करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं में औसत फल मिलेंगे। फरवरी के बाद विद्यार्थियों के लिए अत्यंत शुभ समय रहेगा। तकनीकी या व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थी सफलता के शिखर पर होंगे। वर्ष के उत्तरार्ध में, प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले अभ्यर्थियों के लिए शनि और राहु का गोचर उत्तम रहेगा। कार्य क्षमता और कुशलता के बल पर लक्ष्य प्राप्ति होगी। बृहस्पति का प्रतिकूल गोचर विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा में बाधा का कारण बन सकता है।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2029

वर्ष के पूर्वार्ध में शनि मेष राशि (तृतीय भाव) में रहेगा और 8 अगस्त को वृषभ राशि (चतुर्थ भाव) में प्रवेश करेगा। 5 अक्टूबर को वक्री होकर पुनः मेष राशि (तृतीय भाव) में प्रवेश करेगा। राहु धनु राशि (एकादश भाव) में रहेगा। वर्ष के आरंभ में बृहस्पति तुला राशि (दशम भाव) में रहेगा और 29 मार्च को वक्री होकर कन्या राशि (अष्टम भाव) में प्रवेश करेगा। 25 अगस्त को बृहस्पति मार्गी होकर पुनः तुला राशि (दशम भाव) में आ जाएगा। वक्री मंगल 27 जुलाई तक कन्या राशि (अष्टम भाव) में रहेगा। शुक्र 15 फरवरी से 16 अप्रैल तक अस्त रहेगा।

पेशा

वर्ष की शुरुआत में, पेशेवर लोगों की उन्नति होगी। समय-समय पर उच्च अधिकारियों से लाभ प्राप्त होगा। आप अपनी बौद्धिक क्षमता और योग्यता के बल पर समस्याओं का समाधान खोज लेंगे। आप किसी बड़ी कंपनी के साथ कोई उद्यम शुरू करने का अवसर प्राप्त करेंगे। 25 अगस्त से बृहस्पति का गोचर अनुकूल रहेगा। आप अपने दैनिक कार्यों को सतर्कता से करेंगे और अपने कार्यक्षेत्र में कुछ विशेष करेंगे। आय के नए स्रोत मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों का उनके कार्यस्थल से स्थानांतरण होगा।

धन, संपत्ति

शनि और बृहस्पति के पंचम भाव में संयुक्त गोचर के कारण आपको लॉटरी, ग्रेच्युटी या सट्टेबाज़ी के व्यवसाय से लाभ होगा। शेयर बाज़ार का व्यापार करने वालों को अच्छा-खासा मुनाफ़ा होगा। आप अपने बच्चों की उच्च शिक्षा पर ख़र्च करेंगे। एकादश भाव में राहु के कारण अचानक धन लाभ हो सकता है। आप मनचाही बचत करने में सफल होंगे। 29 मार्च से 25 अगस्त तक का समय कुछ हद तक प्रभावित रहेगा। इस दौरान आपके कुछ अनावश्यक ख़र्चे हो सकते हैं। किसी को भी पैसा उधार न दें, क्योंकि उसके वापस आने की संभावना कम है। शनि के गोचर के बाद ज़मीन के व्यापार से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल नहीं रहेगा।

घर, परिवार और समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष की शुरुआत काफ़ी शुभ रहेगी। परिवार में शांति और समृद्धि का वातावरण बना रहेगा। भाई-बहनों के लिए यह समय अनुकूल है और उन्हें उन्नति के उत्तम स्रोत प्राप्त होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। संतान की उन्नति के संकेत हैं। 5 अगस्त के बाद पारिवारिक वातावरण बिगड़ सकता है। आपसी सहयोग और एक-दूसरे के प्रति समर्पण की भावना में कमी आएगी, लेकिन आप अपनी बौद्धिक क्षमता के बल पर पारिवारिक वातावरण को अनुकूल बना लेंगे। आपकी माता के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बच्चे

वर्ष की शुरुआत संतान के लिए शुभ रहेगी। संतान की उन्नति होगी। संतान के बारे में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। संतान शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति करेगी। गर्भधारण के शुभ योग हैं। मार्च के बाद समय फिर थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। उस समय संतान के स्वास्थ्य को लेकर कुछ चिंताएँ रहेंगी। 25 अगस्त के बाद समय फिर अनुकूल हो रहा है। आपके बच्चे अपनी बौद्धिक क्षमता के बल पर अपने लक्ष्य प्राप्त करेंगे। आपको उन्हें रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित करना चाहिए। आपके दूसरे बच्चे के लिए समय मध्यम रूप से शुभ रहेगा।

धार्मिक

वर्ष की शुरुआत धार्मिक कार्यों के लिए शुभ रहेगी। आपका धार्मिक कार्यों में अधिक रुझान रहेगा। 25 अगस्त के बाद, आप धर्मगुरु से प्रवचन सुन सकते हैं और उनका पाठ कर सकते हैं। आप अपने धर्मगुरुओं का आदर करेंगे और उनके निर्देशों का पालन करेंगे। ज़रूरतमंद गरीबों की मदद करें। 1. बुजुर्गों, ब्राह्मणों, धर्मगुरुओं और मंदिर के पुजारियों की सेवा करें। 2. केले और पीली वस्तुओं का दान करें। 3. गुरुवार का व्रत रखें और बेसन के लड्डू का दान करें। 4. शनिवार को काले रंग की वस्तुओं का दान करें या शनि मंत्र का जाप करें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष की शुरुआत उत्तम रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य काफ़ी अनुकूल रहेगा। शनि और बृहस्पति का गोचर अनुकूल होने से आपके शरीर में रोगों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होगी। 29 मार्च के बाद आप मौसम जनित बीमारियों से परेशान रहेंगे, लेकिन जल्द ही ठीक हो जाएँगे। स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए शुद्ध शाकाहारी भोजन का सेवन करें। 8 अगस्त के बाद शनि का गोचर थोड़ा प्रतिकूल हो जाएगा। उस समय आपको अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना चाहिए। किसी भी पारिवारिक समस्या के कारण मानसिक तनाव न लें। सुबह-सुबह व्यायाम करना लाभदायक रहेगा। समय का सदुपयोग करके अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने का प्रयास करें।

यात्रा और स्थानांतरण

वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति और शनि का तृतीय और नवम भावों पर संयुक्त गोचरीय प्रभाव आपके लिए अनेक यात्राओं का कारण बनेगा। इन यात्राओं से आपको काफ़ी लाभ होगा। 29 मार्च के बाद, बृहस्पति के द्वादश भाव में दृष्टि प्रभाव के कारण, आप विदेश यात्रा करेंगे। शनि के गोचर के बाद, नौकरीपेशा लोगों का उनके कार्यक्षेत्र से स्थानांतरण होगा। यह स्थानांतरण आपके अनुकूल स्थान पर नहीं होगा। 25 अगस्त से, आप छोटी यात्राओं के साथ-साथ लंबी यात्राएँ भी करेंगे। बृहस्पति के नवम भाव में स्थित होने के कारण, आप तीर्थयात्राएँ करेंगे।

कैरियर और प्रतियोगिता

साल की शुरुआत विद्यार्थियों के लिए काफ़ी शुभ रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे, लेकिन करियर में सफलता पाने के लिए आपको अथक प्रयास करने होंगे। बृहस्पति के गोचर के बाद, विद्यार्थियों के लिए समय ज़्यादा अनुकूल नहीं रहेगा। 25 अगस्त से बृहस्पति का गोचर अनुकूल रहेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स या सॉफ़्टवेयर की शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थी इस शुभ समय का लाभ उठा सकते हैं। तकनीकी या उच्च शिक्षा में आपको सफलता मिल सकती है।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2030

वर्ष की शुरुआत में शनि मेष राशि (तीसरे भाव) में रहेगा और 17 अप्रैल को वृषभ राशि (चतुर्थ भाव) में प्रवेश करेगा। राहु धनु राशि (एकादश भाव) में रहेगा और 4 फरवरी को वृश्चिक राशि (दशम भाव) में प्रवेश करेगा। 25 जनवरी को बृहस्पति वृश्चिक राशि (दशम भाव) में प्रवेश करेगा और वक्री होकर 1 मई को तुला राशि (नवम भाव) में गोचर करेगा। बृहस्पति 23 सितंबर को मार्गी होगा और पुनः वृश्चिक राशि (दशम भाव) में प्रवेश करेगा। इस वर्ष मंगल अपनी सामान्य गति से गोचर करेगा। शुक्र 27 सितंबर से 18 नवंबर तक अस्त रहेगा।

पेशा

यह वर्ष आपके करियर में कुछ नए पड़ाव लेकर आ रहा है। कार्यस्थल पर आपको सम्मान, प्रशंसा और सम्मान मिलेगा। यह आपके आशावादी दृष्टिकोण और सिद्धांतों के कारण होगा। हालाँकि इस वर्ष कुछ महीने ऐसे भी होंगे जब आपको छोटी-मोटी चिंताएँ और बेचैनी रहेगी, फिर भी ऐसी परिस्थितियों में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा। वर्ष की शुरुआत में ही आप अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को साबित करने में सफल होंगे। शनि के गोचर के बाद समय थोड़ा प्रतिकूल रहेगा। लेकिन आप अपनी लगन और कार्य क्षमता के बल पर सभी समस्याओं का रचनात्मक समाधान निकालने में सक्षम होंगे। 23 सितंबर के बाद आपके अंदर एक अनोखा आत्मविश्वास विकसित होगा और इससे आप अपने ग्राहकों पर प्रभाव डाल पाएँगे। नौकरीपेशा जातकों का पदोन्नति पर स्थानांतरण होने की संभावना है। आपसे उच्च पद के अधिकारी और वरिष्ठ व्यक्ति आपको पूरा सहयोग देंगे। आपके अधीनस्थ भी आपका सहयोग करेंगे।

धन, संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष काफी अनुकूल रहेगा। व्यावसायिक स्तर पर साहस दिखाने से कोई हानि नहीं होगी। आपको अपने महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर विशेष ध्यान देना होगा। यदि आपने ऋण के लिए आवेदन किया है, तो 17 अप्रैल के बाद उसकी स्वीकृति मिल जाएगी। ज़मीन-जायदाद से संबंधित कई लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। आय में निरंतर वृद्धि की प्रबल संभावना है, लेकिन अत्यधिक घरेलू खर्चों के कारण वांछित बचत करना असंभव होगा। सुख-सुविधाओं पर काफ़ी ख़र्च होगा। 1 मई से बृहस्पति की द्वितीय भाव पर दृष्टि के कारण रत्नों, रत्नों और आभूषणों का लाभ होगा। आप लक्षित बचत करने में सफल होंगे। परिवार में शुभ कार्य संपन्न होंगे और उन पर धन ख़र्च होगा।

घर, परिवार और समाज

वर्ष की शुरुआत पारिवारिक दृष्टि से अनुकूल रहेगी। आपके भाई-बहनों के लिए यह समय काफी शुभ रहेगा। पारिवारिक सौहार्द बना रहेगा। परिवार के सभी सदस्यों का उल्लेखनीय सहयोग आपको प्राप्त होगा। बृहस्पति के द्वितीय भाव पर दृष्टि प्रभाव के कारण आपके परिवार में किसी सदस्य का आगमन होगा। 17 अप्रैल के बाद, शनि के चतुर्थ भाव में स्थित होने के कारण आपके पारिवारिक वातावरण में कुछ विषम परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगी। इससे पारिवारिक वातावरण प्रतिकूल हो सकता है। परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद बने रहेंगे। कुछ लोगों के अनुचित व्यवहार के कारण आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ऐसी विकट परिस्थितियों का सामना करने के लिए, आपको प्रतिरोधक क्षमता विकसित करनी होगी।

बच्चे

इस वर्ष संतान पक्ष से औसत फसल प्राप्त होगी। बृहस्पति और राहु की युति संतान को लेकर चिंता का कारण बन सकती है। पंचम भाव में राहु और शनि की दृष्टि संतान के स्वास्थ्य को लेकर चिंता का कारण बन सकती है। पारिवारिक जीवन में महिलाओं के गर्भपात की संभावना बहुत अधिक है। संतान प्राप्ति के इच्छुक जातकों को अधिक प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। 1 मई के बाद बृहस्पति के गोचरीय प्रभाव के कारण समय और भी अनुकूल रहेगा। आपके बच्चों का पढ़ाई के प्रति रुझान बढ़ेगा। आपके बच्चे कुछ विशिष्ट प्रदर्शन करेंगे, जिन पर आपको उन पर गर्व होगा। यदि वे उच्च शिक्षा के इच्छुक हैं, तो किसी प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में उनका प्रवेश संभव है। इस अवधि में आपके दूसरे बच्चे के लिए औसत परिणाम देखने को मिलेंगे।

धार्मिक

वर्ष की शुरुआत में आप पारिवारिक सुख-समृद्धि के लिए कुछ विशेष पूजा-पाठ करेंगे। यह पूजा-पाठ आपको मानसिक शांति प्रदान करेगा। इस दौरान आप अधिक धार्मिक कार्य करेंगे। आप योग, ध्यान और अन्य धार्मिक प्रवचनों का अभ्यास अधिक करेंगे जिससे आपका आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा। 1. शनिवार के दिन काले कुत्तों को रोटी खिलाएँ। 2. सुबह स्नान के बाद सूर्य को जल अर्पित करें। 3. एक नारियल अपने सिर के ऊपर से सात बार घुमाकर बहते पानी में छोड़ दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शानदार रहेगा। अत्यधिक सक्रिय, सजग और काम के प्रति उत्साही होने के कारण, आप पूरे वर्ष स्वस्थ रहेंगे। सुबह-शाम टहलना और नियमित व्यायाम करना आपके लिए कोई मुश्किल काम नहीं होगा। 17 अप्रैल के बाद, आप किसी छोटे-मोटे संक्रमण से ग्रस्त हो सकते हैं। स्वस्थ स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए आपको ध्यान और योग का सहारा लेना होगा। यदि आप अत्यधिक चिंताग्रस्त रहते हैं, तो यह जीवन के अन्य क्षेत्रों में आपके प्रदर्शन को कमज़ोर कर सकता है। बृहस्पति के गोचर के बाद आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

यात्रा और स्थानांतरण

वर्ष की शुरुआत से ही आप कई छोटी और महत्वहीन यात्राएँ करेंगे। 17 अप्रैल को शनि के गोचर के कारण नौकरीपेशा जातकों का स्थानांतरण होगा। यह स्थानांतरण आपके लिए ज़्यादा अनुकूल नहीं रहेगा। 1 मई से आपकी लंबी यात्राओं की प्रबल संभावना है। ये यात्राएँ आपके लिए शुभ या उन्नतिदायक साबित हो सकती हैं। इन यात्राओं के दौरान आपकी किसी से मित्रता भी हो सकती है।

कैरियर और प्रतियोगिता

प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको सफलता मिलने के प्रबल संकेत हैं। आपको मनचाही सेवा मिल सकती है। 1 मई के बाद का समय और भी शुभ रहने वाला है। छात्रों को अपने करियर में सफलता मिलेगी। उच्च शिक्षा के लिए आप किसी उच्च-स्तरीय शिक्षण संस्थान में प्रवेश लेने का प्रयास करेंगे। शनि के गोचर के बाद छात्रों का मन पढ़ाई से भटक सकता है। आपको अपनी प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर को लेकर बेहद सतर्क रहने की आवश्यकता है। इस समय किए गए प्रयास भविष्य में आपके लिए वरदान साबित होंगे। इसलिए पूरी लगन से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें और अपने करियर के प्रति सजग रहें।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2031

इस वर्ष शनि वृषभ राशि (चतुर्थ भाव) में रहेगा। वर्ष के पूर्वार्ध में राहु वृश्चिक राशि (दशम भाव) में रहेगा और 9 अगस्त को तुला राशि (नवम भाव) में प्रवेश करेगा। वर्ष के आरंभ में बृहस्पति वृश्चिक राशि (दशम भाव) में रहेगा और 17 फरवरी को धनु राशि (एकादश भाव) में प्रवेश करेगा। 14 जून को बृहस्पति वक्री होकर वृश्चिक राशि (दशम भाव) में गोचर करेगा और 15 अक्टूबर को मार्गी होकर पुनः धनु राशि (एकादश भाव) में प्रवेश करेगा। 4 जनवरी से 15 अगस्त तक वक्री मंगल तुला राशि (नवम भाव) में रहेगा। 2 अगस्त से 15 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेगा।

पेशा

साल के शुरुआती दो महीनों को छोड़कर यह साल आपके लिए शानदार रहेगा। मेहनती स्वभाव और जागृत मानसिक क्षमताएँ आपकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। इस वर्ष आपको इन अनूठी विशेषताओं को लागू करने के कई अवसर मिलेंगे और इनके सफल परिणामों को प्राप्त करके आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। अगस्त के बाद, आपके वेतन में वृद्धि या पदोन्नति होगी, जिससे आर्थिक उन्नति आपका इंतज़ार कर रही है। जो लोग अपनी नौकरी बदलने के इच्छुक हैं, उनके लिए यह समय बहुत अच्छा रहेगा। आपकी कुंडली के दशम भाव में बृहस्पति की स्थिति आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएगी और साक्षात्कारों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। आपके लिए आय के सभी स्रोत खुले रहेंगे। आप अपने व्यवसाय के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास का आनंद लेंगे। आप कोई नया उद्यम भी शुरू करेंगे जिससे आपको अधिक लाभ होगा। वरिष्ठ व्यक्तियों या अधिकारियों का सहयोग आपको प्राप्त होगा।

धन, संपत्ति

इस पूरे वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी। आपके व्यावसायिक संबंध भी बेहतर होंगे और आप लाभ कमाने वाले निवेशकों के साथ संयुक्त निवेश भी करेंगे। इन निवेशों से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा। रत्न, रत्न, आभूषण, भूमि, भवन और वाहन आदि का लाभ हो सकता है। आर्थिक सौदेबाजी की भी योजना बन सकती है। यह समय योजनाएँ बनाने और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए शुभ है। 9 अगस्त के बाद, समय बेहतर से बेहतर की ओर बढ़ेगा। यदि आप पूरी लगन से प्रयास करेंगे, तो आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपको अपनी मातृ पक्ष से कोई उल्लेखनीय लाभ प्राप्त होगा।

घर, परिवार और समाज

वर्ष की शुरुआत में, शनि के चतुर्थ भाव में स्थित होने के कारण आपका पारिवारिक वातावरण अनुकूल नहीं रहेगा। आपकी माता का स्वास्थ्य संकटग्रस्त हो सकता है। घरेलू चिंताएँ बढ़ सकती हैं। 9 अगस्त से, समय सकारात्मक रूप से पारिवारिक वातावरण में सुधार की ओर बढ़ेगा। आप अपने पारिवारिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते दिखाई देंगे। आपके भाइयों का सहयोग आपको प्राप्त होगा। 15 अक्टूबर के बाद, अविवाहित जातकों का विवाह तय हो सकता है। विवाहित जातकों को संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है और परिवार में आनंद का वातावरण बना रहेगा। आपकी सामाजिक स्थिति में भी वृद्धि होगी। आपका आत्म-सम्मान भी नई ऊँचाइयों को छुएगा।

बच्चे

वर्ष की शुरुआत संतान के लिए उत्तम रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति होगी। 18 फ़रवरी को, बृहस्पति की पंचम भाव पर दृष्टि के कारण आपके बच्चे सफलता के शिखर पर पहुँचेंगे। आज का दिन आपके पहले बच्चे के बारे में सोचेगा। यदि आपका दूसरा बच्चा विवाह योग्य हो गया है, तो उसका विवाह हो सकता है।

धार्मिक

1. वर्ष की शुरुआत धार्मिक कार्यों के लिए अनुकूलता का संकेत दे रही है। 2. प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें। 3. काले रंग की वस्तुओं का दान करें या शनि के मंत्र का जाप करें। 4. अपने घर में स्फटिक श्रीयंत्र स्थापित करें और उसके समक्ष घी का दीपक जलाएँ।

स्वास्थ्य

इस वर्ष आप बेहतर स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। आप अधिक स्वस्थ और सक्रिय रहेंगे। आपका दृढ़ निश्चय और दृढ़ इच्छाशक्ति ही आपके अच्छे स्वास्थ्य का कारण है। आपको कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। 18 फ़रवरी से बृहस्पति का शुभ स्थान पर गोचर आपके स्वास्थ्य को और बेहतर बनाने में एक अतिरिक्त कारक साबित होगा। यदि आप मौसम जनित बीमारियों से परेशान हैं, तो जल्द ही ठीक हो जाएँगे।

यात्रा और स्थानांतरण

इस वर्ष यात्राओं के कोई विशेष संकेत नहीं हैं। 18 फ़रवरी के बाद आपको छोटी यात्राएँ करनी पड़ सकती हैं। सप्तम भाव में बृहस्पति की दृष्टि के कारण आप अपने व्यवसाय के सिलसिले में भी यात्राएँ करेंगे। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ होगा। राहु के गोचर के बाद, आप लंबी यात्राएँ भी करेंगे। मुख्यतः आपकी सभी यात्राएँ अचानक शुरू होंगी। इन यात्राओं से आपका खजाना लाभ से भर जाएगा।

कैरियर और प्रतियोगिता

साल की शुरुआत में छात्रों के लिए उत्कृष्टता इंतज़ार कर रही है। आप अपनी शिक्षा के क्षेत्र में कुछ ख़ास हासिल करेंगे। 18 फ़रवरी के बाद, बृहस्पति सप्तम भाव पर अपनी दृष्टि डालेगा, जिससे आप कोई व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। आपको आय के कुछ नए स्रोत मिलेंगे। राहु का गोचर छात्रों के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। प्रतियोगियों को सफलता पाने के लिए अथक प्रयास करने होंगे। पेशेवर लोगों को 15 अक्टूबर के बाद लाभ की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2032

वर्ष की शुरुआत में शनि वृषभ राशि (चतुर्थ भाव) में है और 31 मई को मिथुन राशि (पंचम भाव) में प्रवेश करेगा। राहु तुला राशि (नवम भाव) में रहेगा। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति धनु राशि (एकादश भाव) में रहेगा और 5 मार्च को मकर राशि (दसवें भाव) में गोचर करेगा। 12 अगस्त को बृहस्पति वक्री होकर पुनः धनु राशि (एकादश भाव) में प्रवेश करेगा और 23 अक्टूबर को मार्गी होकर पुनः मकर राशि (दसवें भाव) में प्रवेश करेगा। इस वर्ष मंगल अपनी सामान्य गति से संचरण करेगा।

पेशा

यह वर्ष आपके लिए अनेक लाभदायी अवसर लेकर आएगा। जिस प्रकार आप अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए तत्पर और तत्पर हैं, वह अत्यंत सराहनीय और प्रशंसनीय है। 5 मार्च से, बृहस्पति के द्वादश भाव पर गोचरीय प्रभाव के कारण, व्यावसायिक जीवन में कुछ उतार-चढ़ाव आएंगे। इस अवधि में आपके कार्यों में विलंब होने की संभावना है और परिणामस्वरूप कुछ तनावपूर्ण स्थितियाँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। आप सुनियोजित तरीके से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। 23 अक्टूबर से, आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन अपनी बुद्धि और मानसिक क्षमताओं के बल पर, आप सभी समस्याओं का समाधान ढूंढकर अपने लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त करेंगे। इस अवधि में, आपको अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपनी योजनाएँ बनानी होंगी।

धन, संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष की शुरुआत अत्यंत शुभ रहेगी। एकादश भाव में बृहस्पति की स्थिति के कारण धन का निरंतर आगमन होगा। इससे आप मनचाही बचत कर पाएँगे। पुराने और लंबे समय से अटके हुए कर्जों से मुक्ति मिल सकती है। 5 मार्च के बाद, निवेश और व्यावसायिक लेन-देन में अत्यधिक सावधानी और सतर्कता बरतें। जल्दबाजी में किसी पर भी विश्वास न करें। अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं। 12 अगस्त से आप धन संचय में जुटेंगे क्योंकि मित्र और भाई आपको पूरा सहयोग देंगे। आपके संचित धन में भारी वृद्धि होगी। इस अवधि में आपको सभी इच्छित वस्तुएँ प्राप्त होंगी। 23 अक्टूबर से समय एक बार फिर से यू टर्न लेने वाला है। इसलिए इस समय आर्थिक मामलों में कोई भी निर्णय लेने से पहले संबंधित क्षेत्र से जुड़े अनुभवी व्यक्तियों की सलाह अवश्य लें।

घर, परिवार और समाज

वर्ष का पूर्वार्ध पारिवारिक दृष्टि से अनुकूल नहीं रहेगा। चतुर्थ भाव में शनि के प्रभाव के कारण आपके परिवार में कुछ विषम परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगी और परिणामस्वरूप घरेलू वातावरण अनुकूल नहीं रहेगा। परिवार के सदस्यों के बीच वैचारिक मतभेद बने रहेंगे। कुछ लोगों के अनुचित व्यवहार के कारण आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। ऐसी विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए आपको अपने भीतर उच्च प्रतिरोधक क्षमता विकसित करनी होगी। 12 अगस्त से बृहस्पति के सप्तम भाव में गोचर के कारण दाम्पत्य जीवन में सुखमयता के योग बन रहे हैं। आपके भाइयों और मित्रों के लिए यह समय अत्यंत अनुकूल है। सामाजिक प्रतिष्ठा और पद में वृद्धि होगी। संवाद और व्यवहार में परिवर्तन के योग हैं। प्रेम संबंधों में आपको सफलता मिलेगी।

बच्चे

इस वर्ष के पहले दो महीने आपके बच्चों के लिए शुभ रहेंगे। लेकिन 5 मार्च से बृहस्पति के प्रतिकूल गोचर के कारण आपके बच्चों के लिए समय नकारात्मकता की ओर बढ़ रहा है। 31 मई से शनि के पंचम भाव में गोचर के कारण आपके बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। आपके बच्चों को अपनी पढ़ाई और प्रगति में रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। परिवार की महिलाओं को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। 23 अक्टूबर से आपके बच्चों के लिए समय फिर से शुभता की ओर बढ़ेगा।

धार्मिक

आलस्य या लापरवाही के कारण आपकी पूजा-पाठ की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। 12 अगस्त से, पंचम भाव पर शनि और बृहस्पति के संयुक्त गोचर प्रभाव के कारण, आप धार्मिक स्तोत्रों का पाठ करेंगे। आप अपने कुलदेवता के प्रति अधिक आस्था रखेंगे और अपने धर्मगुरु से कोई धार्मिक अनुष्ठान करवाएँगे। आप अपने धर्मगुरु द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन भी करेंगे। 1. मंदिरों में ब्राह्मणों, बुजुर्गों, धर्मगुरुओं और पुजारियों की सेवा करें। 2. किसी मंदिर में पीली दाल, केले और बेसन की मिठाई दान करें और गुरुवार का व्रत रखें। 3. शनिवार को काले रंग की वस्तुओं का दान करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिहाज से यह वर्ष मिश्रित फल देने वाला रहेगा। वर्ष की शुरुआत में आपको मौसम जनित रोगों की समस्या हो सकती है। 5 मार्च के बाद, बृहस्पति के बारहवें भाव में गोचरीय प्रभाव के कारण, यकृत संबंधी विकार और मोटापा आपको परेशान कर सकते हैं। वर्ष का उत्तरार्ध आपके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत अनुकूल रहेगा। आपके शरीर में रोगों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होगी और इसी प्रतिरोधक क्षमता के कारण आपका स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

यात्रा और स्थानांतरण

वर्ष के पूर्वार्ध में नौकरीपेशा लोगों का मनचाही जगह पर स्थानांतरण हो सकता है। यह स्थानांतरण आपके गृहनगर से काफ़ी दूर हो सकता है। 5 मार्च के बाद आप विदेश यात्राएँ कर सकते हैं। 12 अगस्त के बाद आप अपने पूरे परिवार के साथ किसी पर्यटन या ऐतिहासिक स्थल पर जाकर आनंद उठाएँगे। यात्रा के दौरान किसी से दोस्ती होने के योग बन रहे हैं।

कैरियर और प्रतियोगिता

वर्ष की शुरुआत में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे। आलस्य की भावना उच्च शिक्षा में रुकावटों का एक प्रमुख कारण है। विदेशी भाषा सीखने वालों को 5 मार्च के बाद के समय का लाभ उठाना चाहिए। यदि आप अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करके ईमानदारी से प्रयास करते रहेंगे, तो वर्ष के अंत में सफलता अवश्य मिलेगी। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा के लिए नामांकित छात्र निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2033

शनि वर्ष भर मिथुन राशि (पंचम भाव) में रहेगा। राहु 30 जनवरी तक तुला राशि (नवम भाव) में रहेगा और उसके बाद कन्या राशि (अष्टम भाव) में प्रवेश करेगा। बृहस्पति 18 मार्च तक मकर राशि (दसवें भाव) में रहेगा और 18 मार्च के बाद कुंभ राशि (लग्न भाव) में प्रवेश करेगा। 24 मार्च से 8 अक्टूबर तक मंगल वक्री होकर धनु राशि (एकादश भाव) में रहेगा।

पेशा

व्यावसायिक प्रगति के लिए यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। पारस्परिक संबंधों में भी सुधार होगा। जीवन के हर क्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी। 18 मार्च के बाद वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग आपको मिलता रहेगा। आपके व्यवसाय में लाभ के कई अवसर उपलब्ध होंगे। यदि आप साझेदारी में काम कर रहे हैं तो आपको अच्छा मुनाफ़ा होगा। आपको अपने भाइयों और रिश्तेदारों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आप कोई नया व्यवसाय शुरू करेंगे जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। नौकरीपेशा जातकों की प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से संतुष्ट रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अचानक तरक्की मिलने की संभावना है। आप अपने व्यवसाय को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में सक्षम होंगे।

धन, संपत्ति

शुरुआती तीन महीनों को छोड़कर, पूरा साल आपके लिए अनुकूल रहेगा। लगातार आय के प्रवाह के कारण आपकी आर्थिक स्थिति मज़बूत होगी। और इस प्रकार आप लंबे समय से लंबित कर्ज़ों से मुक्ति पा सकते हैं। शनि का गोचर अनुकूल न होने के कारण आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन चूँकि आप एक समझदार और कुशल व्यक्ति हैं, इसलिए आप इन चुनौतियों को लाभकारी अवसरों में बदल सकते हैं। लॉटरी, शेयर बाज़ार और सट्टेबाज़ी से जुड़े जातकों की तिजोरियाँ भर जाएँगी। धन संचय में आपके जीवनसाथी का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। यदि आपने ऋण के लिए आवेदन किया है, तो वह स्वीकृत हो जाएगा। यदि पैतृक संपत्ति या ज़मीन से संबंधित कोई मुकदमा न्यायालय में लंबित है, तो उसमें सफलता नहीं मिलेगी क्योंकि अष्टम भाव में स्थित राहु पैतृक संपत्ति के लिए शुभ नहीं है।

घर, परिवार और समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से यह वर्ष औसत दर्जे का रहेगा। दूसरे भाव में स्थित केतु घरेलू वातावरण में कुछ विषम परिस्थितियाँ उत्पन्न करने का प्रयास करेगा। लेकिन चतुर्थ भाव पर बृहस्पति की दृष्टि इन विषम परिस्थितियों को अनुकूल और रचनात्मक अवसरों में बदल देगी और इससे आपके परिवार में शांतिपूर्ण वातावरण बना रहेगा। परिवार के सदस्यों में आपसी सहयोग की भावना जागृत होगी। परिवार में आपसी भावनात्मक लगाव भी बना रहेगा। आपके ननिहाल पक्ष के लोगों के साथ आपके मधुर और सामंजस्यपूर्ण संबंध रहेंगे। यह समय आपके माता-पिता के लिए भी शुभ रहेगा। आपकी पत्नी के साथ आपके संबंध और मधुर बनेंगे। आपके भाई-बहनों के साथ आपके संबंध समान रहेंगे। परिवार में शुभ कार्य संपन्न होंगे। अष्टम भाव में स्थित राहु के कारण ससुराल पक्ष के लोगों के साथ मतभेद बने रहेंगे। इसलिए आपको अपनी वाणी और भाषा पर नियंत्रण रखना चाहिए; अन्यथा आपके उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपके विरोधी मौन रहेंगे।

बच्चे

यह वर्ष संतान के लिए अनुकूल नहीं है। पंचम भाव में स्थित शनि आपके बच्चों की प्रगति में बाधा उत्पन्न कर सकता है। आपको अपने बच्चों पर अधिक ध्यान देना होगा, अन्यथा वे बुरी संगति का शिकार हो सकते हैं और यह उनकी प्रगति में बाधा बन सकता है। विवाह के बंधन में बंधने वाली महिलाओं को गर्भपात से बचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। 18 मार्च से आपके दूसरे बच्चे के लिए समय बहुत अनुकूल बन रहा है। यदि वह विवाह के चरण में है, तो उसके विवाह समारोह की संभावना अधिक है। आपके बच्चों में शिक्षा के प्रति अधिक रुचि देखी जाएगी। यदि वे उच्च शिक्षा के इच्छुक हैं, तो उन्हें किसी उच्च-स्तरीय शिक्षण संस्थान में दाखिला दिलाया जा सकता है। आपको समय-समय पर उनका मनोबल बढ़ाते रहना चाहिए, अन्यथा वे अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं।

धार्मिक

ईश्वर की आराधना, योगाभ्यास, तीर्थयात्रा, धर्मोपदेशकों की सेवा या किसी धर्मगुरु से धार्मिक अनुष्ठान कराने के अतिरिक्त आप अधिकाधिक भजन-कीर्तन, हवन-यज्ञ और अन्य पुण्य कर्म करेंगे। आप अधिक दान-पुण्य करेंगे। गरीबों को भोजन कराना, भिखारियों को दान देना, धार्मिक स्थलों पर भिक्षुकों को भोज कराना आपके व्यक्तित्व का स्थायी गुण बन जाएगा। 1. माता-पिता, साधु-संन्यासियों और अपने से बड़ों का आशीर्वाद लें। 2. मंदिरों या धार्मिक स्थलों पर केले या बेसन के लड्डू दान करें। 3. राहु के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिए अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें।

स्वास्थ्य

वर्ष की शुरुआत में जातकों के स्वास्थ्य पर सामान्य प्रभाव रहेगा। बारहवें भाव में बृहस्पति के होने से आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। मधुमेह रोगियों को अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। अपच, गैस और पेट संबंधी बीमारियों से आपको परेशानी हो सकती है। लेकिन 18 मार्च से बृहस्पति के लग्न भाव पर गोचर प्रभाव के कारण स्वास्थ्य में सुधार शुरू हो जाएगा। अच्छे स्वास्थ्य के लिए, अपने खान-पान और दिन के काम-काज के प्रति विशेष ध्यान रखें। चूँकि शुभ ग्रहों का प्रभाव लग्न पर होता है, इसलिए आपको केवल शाकाहारी भोजन ही करना चाहिए। इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अष्टम भाव में राहु के प्रभाव के कारण आप अप्रत्याशित रूप से बीमार पड़ सकते हैं। लेकिन आप जल्दी ठीक हो जाएँगे। वाहन चलाते समय और यात्रा करते समय सावधानी बरतना आपके हित में होगा।

यात्रा और स्थानांतरण

वर्ष की शुरुआत में आपकी विदेश यात्राओं के प्रबल योग बन रहे हैं। 18 मार्च के बाद आप लंबी यात्राएँ करेंगे। आपकी यात्राएँ आरामदायक और आनंददायक रहेंगी। इस यात्रा के दौरान आपकी किसी से मित्रता हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण हो सकता है। चतुर्थ भाव में राहु की दृष्टि के कारण यह स्थानांतरण आपके गृह स्थान से दूर हो सकता है और आप इस स्थानांतरण से असंतुष्ट रहेंगे।

कैरियर और प्रतियोगिता

वर्ष की शुरुआत करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए औसत रहेगी। लेकिन 18 मार्च से, पेशेवर जातकों को भारी लाभ होगा। तकनीकी या व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए यह समय अत्यंत शुभ है। उच्च शिक्षा के इच्छुक छात्र अच्छे शिक्षण संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। वर्ष के मध्य में, एकादश भाव में मंगल प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों के लिए काफी अनुकूल है। करियर में सफलता के प्रबल संकेत हैं। यह समय छोटे दुकानदारों और खुदरा विक्रेताओं के लिए अनुकूल है।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2034

वर्ष के पूर्वार्ध में शनि मिथुन राशि (पंचम भाव) में रहेगा और 13 जुलाई को कर्क राशि (छठे भाव) में प्रवेश करेगा। 12 अगस्त से पहले राहु कन्या राशि (अष्टम भाव) में रहेगा और उसके बाद सिंह राशि (सप्तम भाव) में प्रवेश करेगा। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति कुंभ राशि (लग्न) में रहेगा और 28 मार्च को मीन राशि (द्वितीय भाव) में प्रवेश करेगा। मंगल वर्ष भर अपनी सामान्य गति से भ्रमण करेगा।

पेशा

आर्थिक उन्नति और विकास के लिए वर्ष का पहला भाग अनुकूल रहेगा। शुरुआत में आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन बाद में स्थिति में सुधार होगा। आप अपने पेशेवर जीवन में सफलता पाने के लिए अथक प्रयास करेंगे और अंततः अपने सपनों को साकार करने में सफल होंगे। आपके कार्यालय में उत्पन्न किसी समस्या का समाधान ढूँढना आपके लिए बच्चों का खेल होगा क्योंकि इस समय अधिकांश ग्रहों का गोचर शुभ है। अष्टम भाव में स्थित राहु आपके पेशेवर जीवन में कुछ समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है और परिणामस्वरूप आपको विभिन्न कार्यों को पूरा करने में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह स्थिति समाप्त होगी, अचानक आपके कार्यों में सफलता मिलने लगेगी। आप कोई नया व्यवसाय शुरू करेंगे और उसमें आपको उल्लेखनीय सफलता मिलेगी। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें मनचाही नौकरी मिल सकती है। जो लोग पहले से ही कार्यरत हैं, उन्हें अपने कार्यस्थल पर सम्मान प्राप्त होगा। यह समय छोटे दुकानदारों और खुदरा विक्रेताओं के लिए काफी शुभ है।

धन, संपत्ति

इस वर्ष आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत अनुकूल हवाएँ चलेंगी। आय के सभी स्रोत खुलेंगे। रुका हुआ और रुका हुआ धन वापस मिलेगा। वर्ष की शुरुआत निवेश के लिए अत्यंत शुभ है। 28 मार्च से बृहस्पति के द्वितीय भाव में स्थित होने से रत्न, आभूषण आदि का लाभ होगा। संचित धन में भी वृद्धि होगी। व्यापार में अनुकूलता के कारण आय का प्रवाह निरंतर बना रहेगा। धन संचय के लिए, आपके परिवार के सदस्यों का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पुराने और लंबे समय से लंबित कर्जों से मुक्ति मिलेगी। 12 अगस्त के बाद राहु का सप्तम भाव में गोचर आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। अच्छे शारीरिक स्वास्थ्य के लिए धन व्यय होगा। आप धार्मिक और शुभ कार्यों में दिल खोलकर धन खर्च करेंगे। घरेलू सुख-सुविधाओं पर अधिक खर्च होगा।

घर, परिवार और समाज

यह वर्ष पारिवारिक दृष्टि से उत्तम रहेगा। 28 मार्च के बाद आपके परिवार में किसी सदस्य के आगमन के संकेत हैं। यह आगमन या तो परिवार के किसी सदस्य के विवाह या शिशु के जन्म के कारण होगा। परिवार में उल्लासपूर्ण वातावरण रहेगा। परिवार के सदस्यों के बीच आपसी सहयोग की भावना विकसित होगी। इससे आपसी भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। वर्ष का उत्तरार्ध आपके छोटे भाई-बहनों के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। पिता और माता पक्ष के लोग पूरा सहयोग देंगे। इस वर्ष सामाजिक पद और प्रतिष्ठा के मामले में औसत ग्रेड प्राप्त होंगे। सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी कम रहेगी।

बच्चे

पंचम भाव में शनि पर बृहस्पति की दृष्टि संतान के दृष्टिकोण से उत्तम रहेगी। आपके बच्चे सफलता के ऊँचे शिखर छुएँगे। आपके बच्चों का प्रदर्शन आपकी उम्मीदों से बढ़कर होगा। संतान प्राप्ति के इच्छुक लोगों के लिए यह समय शुभ है। बच्चों के साथ प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और इससे घरेलू माहौल बेहतर होगा। यह वर्ष आपके दूसरे बच्चे के लिए औसत रहेगा।

धार्मिक

वर्ष की शुरुआत धार्मिक कार्यों के लिए उत्तम रहेगी। धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और परिणामस्वरूप आप अधिक पूजा-पाठ, हवन, भक्ति और अन्य धार्मिक आयोजन करेंगे। पंचम भाव पर बृहस्पति की दृष्टि आपको ईश्वर में अटूट आस्था प्रदान करेगी। आप अपने धार्मिक गुरु से स्तोत्र प्राप्त कर सकते हैं और उसका अभ्यास भी कर सकते हैं। आप दान-पुण्य के कार्यों में निपुणता प्राप्त करेंगे। वर्ष के उत्तरार्ध में, लग्न पर राहु की दृष्टि आपको थोड़ा सुस्त बना सकती है। इससे आपके धार्मिक कार्यों में कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। 1. अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें या पारद या बुध का शिवलिंग अपने घर में स्थापित करें। 2. स्फटिक श्रीयंत्र अपने घर में स्थापित करें और उसके सामने प्रतिदिन घी का दीपक जलाएँ। 3. शनि और बुधवार के दिन काले और नीले रंग की वस्तुओं का दान करें। राहु के निम्नलिखित मंत्र का जाप करें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। आप पूरे वर्ष स्वस्थ और निरोगी रहेंगे क्योंकि गुरु के उदय भाव में स्थित होने से आपके अंदर उत्साहवर्धक आंतरिक ऊर्जा का संचार होगा। आप अपने दैनिक कार्यों में कुछ नई गतिविधियाँ शामिल करेंगे, जैसे व्यायाम करना और सुबह टहलना। वर्ष के उत्तरार्ध में, कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्तता के कारण आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाएँगे। परिणामस्वरूप, आपका स्वास्थ्य और बिगड़ सकता है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप अपने दैनिक जीवन में खानपान के प्रति अनुशासन बनाए रखें और लापरवाही न बरतें। किसी भी बात को लेकर अनावश्यक चिंता न करें। सुबह जल्दी उठना और योग आदि का अभ्यास करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

यात्रा और स्थानांतरण

28 मार्च के बाद आप लंबी यात्राएँ करेंगे। ऐसा बृहस्पति की नवम भाव पर दृष्टि के कारण होगा। कार्य और व्यवसाय के सिलसिले में यात्राओं का सिलसिला भी जारी रहेगा। 13 जुलाई के बाद, शनि की द्वादश भाव पर दृष्टि विदेश यात्राओं की प्रबल संभावना दर्शाती है।

कैरियर और प्रतियोगिता

प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वाले उम्मीदवारों के लिए वर्ष का पहला भाग औसत दर्जे का रहेगा। यह समय व्यावसायिक या तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने वाले जातकों के लिए अत्यधिक अनुकूल है। ज्योतिष और अन्य रहस्यमयी विद्याओं में आपकी रुचि बढ़ सकती है। शनि का गोचर उन लोगों के लिए सुनहरे अवसर लेकर आ रहा है जो किसी पेशे में अपना करियर तलाश रहे हैं। छठे भाव में शनि पर बृहस्पति की दृष्टि के कारण आप अपना नाम कमा सकते हैं और इस संबंध में आपको उल्लेखनीय प्रगति मिलेगी।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2035

इस वर्ष शनि कर्क राशि (छठे भाव) में और राहु सिंह राशि (सप्तम भाव) में रहेगा। बृहस्पति 5 अप्रैल तक मीन राशि (दूसरे भाव) में रहेगा और उसके बाद मेष राशि (तीसरे भाव) में प्रवेश करेगा। वक्री मंगल 21 जुलाई से 9 सितंबर तक मीन राशि (दूसरे भाव) में रहेगा।

पेशा

यह वर्ष व्यावसायिक दृष्टिकोण से अनुकूल रहेगा। आप कोई नया व्यवसाय शुरू करेंगे जिसमें आपको उल्लेखनीय सफलता मिलेगी। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। शनि के छठे भाव में स्थित होने से कार्यक्षेत्र में प्रगति और आर्थिक लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह समय अत्यंत शुभ है। उन्हें अपने कार्यस्थल पर सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। उच्च अधिकारियों से भी सहयोग प्राप्त होगा। सरकारी सौदों और अनुबंधों से आपका लाभ दोगुना हो जाएगा। सप्तम भाव में स्थित राहु आपके कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है। लेकिन अपनी मानसिक सजगता से आप सभी समस्याओं का समाधान पा लेंगे। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो साझेदार से असंतोष प्राप्त होगा।

धन, संपत्ति

वर्ष की शुरुआत आर्थिक दृष्टि से उत्तम रहेगी। दूसरे भाव में बृहस्पति की स्थिति रत्नों, रत्नों और आभूषणों से लाभ के संकेत दे रही है। व्यापार में अनुकूलता के कारण संचित धन में वृद्धि होगी। लंबे समय से चले आ रहे कर्ज़ों से मुक्ति मिलेगी। यदि आप निवेश करना चाहते हैं, तो यह समय शुभ है। फिर भी किसी भी व्यवसाय में निवेश करने से पहले संबंधित क्षेत्र के अनुभवी व्यक्तियों की सलाह अवश्य लें। 6 अप्रैल के बाद आर्थिक सौदेबाजी में जल्दबाजी न करें और गहन विचार-विमर्श के बाद ही धन का उपयोग करें। आपको अपने खर्चों पर कड़ा नियंत्रण रखना होगा। आर्थिक मामलों में बहुत सावधानी बरतें। राहु की लग्नस्थ दृष्टि आपको कभी-कभी मानसिक रूप से परेशान कर सकती है। लेकिन इसका आपकी दिनचर्या और गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। आप साहस और पराक्रम से अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए सदैव उत्साहित रहेंगे।

घर, परिवार और समाज

बृहस्पति के दूसरे भाव में स्थित होने से घरेलू वातावरण अनुकूल रहेगा। परिवार के सदस्यों के बीच आपसी भावनात्मक लगाव बढ़ेगा और परिणामस्वरूप एक सौहार्दपूर्ण और अनुकूल पारिवारिक वातावरण बना रहेगा। 6 अप्रैल से आपके छोटे भाइयों के लिए समय परिवर्तन शुभ रहेगा। आपकी पत्नी के साथ मधुर संबंध बनेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी। आप सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। सामाजिक उत्थान और समाज कल्याण के लिए आप कोई विशिष्ट कार्य करेंगे। आपके परिवार में अधिकाधिक शुभ कार्य संपन्न होंगे। सप्तम भाव में राहु के कारण आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है, जिससे आप मानसिक रूप से अशांत रह सकते हैं। बेहतर होगा कि आप अपनी विचार प्रक्रियाओं पर नियंत्रण रखें और अपनी भावनाओं और प्रेम को दूसरों पर प्रकट न करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि परिवार में कोई विषम परिस्थिति उत्पन्न न हो।

बच्चे

यह वर्ष संतान के लिए उच्च स्तर तक शुभ रहेगा। आपके बच्चे उन्नति करेंगे। यदि उनका विवाह तय है, तो सुनिश्चित करें कि वह विधिवत संपन्न हो। यह वर्ष आपके दूसरे बच्चे के लिए अनुकूल नहीं है। राहु के सप्तम भाव में स्थित होने के कारण स्वास्थ्य पर अचानक असर पड़ सकता है। इसलिए उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें, अन्यथा उनकी प्रगति में बाधा आ सकती है।

धार्मिक

इस वर्ष लग्न पर राहु की दृष्टि के कारण धार्मिक कार्य कम होंगे। दैनिक पूजा-पाठ में भी कमी देखी जा सकती है। अष्टम भाव में बृहस्पति की दृष्टि के कारण आप तंत्र, मंत्र और यंत्र की ओर अधिक आकर्षित होंगे। 6 अप्रैल से समय धार्मिक और पुण्य कार्यों के लिए सकारात्मकता की ओर अग्रसर हो रहा है। आपकी दैनिक पूजा-पाठ की गतिविधियों में सुधार होगा। मंदिर जाना, धार्मिक कार्य करना और दूसरों की मदद करना आपकी प्रमुख विशेषताएँ बनेंगे। जितना अधिक आप पुण्य कार्य करेंगे, उतना ही आपको मानसिक संतुष्टि का अनुभव होगा। अपने घर में पारद या बुध का शिवलिंग स्थापित करें। उसके दर्शन करें और अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ प्रतिदिन उसकी पूजा करें। इसके प्रभाव से घर के सभी वास्तु दोष दूर होंगे और आपके घर में सदैव शांति, समृद्धि और सुख-सुविधाएँ बनी रहेंगी। 1. शनिवार को काले रंग के कुत्तों को रोटी खिलाएँ। 2. आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

स्वास्थ्य

वर्ष की शुरुआत स्वास्थ्य की दृष्टि से शुभ रहेगी। आप स्वस्थ और ऊर्जावान रहेंगे क्योंकि छठे भाव में शनि आपके शरीर में स्फूर्ति का संचार कर रहा है। आप उत्साह से ओतप्रोत रहेंगे। दिन के कार्यों में व्यायाम और सुबह की सैर जैसे नए कार्य शामिल होंगे। लग्न पर राहु की दृष्टि के कारण आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। मौसम जनित रोगों से आप परेशान रहेंगे। मानसिक तनाव, उत्तेजना, कलह आदि आपको भारी परेशानी दे सकते हैं। यकृत या मधुमेह से संबंधित रोग बढ़ सकते हैं या बढ़ सकते हैं। दैनिक दिनचर्या अस्त-व्यस्त रहेगी और खान-पान पर नियंत्रण रखना कठिन हो जाएगा। वर्तमान परिस्थितियों में, स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए व्यायाम और योग का अभ्यास करना अधिक लाभकारी रहेगा।

यात्रा और स्थानांतरण

वर्ष की शुरुआत यात्राओं के लिहाज से औसत रहेगी। 6 मार्च के बाद, आपको लंबी यात्राओं के साथ-साथ छोटी और महत्वहीन यात्राएँ भी करनी पड़ सकती हैं। बृहस्पति के नवम भाव पर दृष्टि प्रभाव के कारण आप धार्मिक स्थलों की यात्रा भी करेंगे। शनि की द्वादश भाव में दृष्टि आपकी विदेश यात्राओं के प्रबल योग बना रही है। इन यात्राओं से आपको अच्छा-खासा लाभ होगा।

कैरियर और प्रतियोगिता

इस वर्ष करियर और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उच्च उपज वाली उन्नत संकर फसलें उपलब्ध होंगी। आप अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में अन्य सभी प्रतिस्पर्धियों को हराकर आगे रहेंगे। छात्रों का नए तकनीकी विषयों के अध्ययन में अधिक रुझान रहेगा। प्रबंधन, प्रशासन और शिक्षा से जुड़े जातकों को शोध और प्रशिक्षण के लिए विदेश जाने के अवसर मिल सकते हैं। यह वर्ष उन लोगों के लिए अत्यंत शुभ है जो किसी पेशे में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

वार्षिक भविष्यवाणी - 2036

वर्ष के पूर्वार्ध में शनि कर्क राशि में छठे भाव में रहेगा और बाद में 27 अगस्त को सिंह राशि में सातवें भाव में प्रवेश करेगा। राहु 13 अप्रैल तक सिंह राशि में सातवें भाव में रहेगा, जिसके बाद वह कर्क राशि में छठे भाव में प्रवेश करेगा। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति मेष राशि में तीसरे भाव में रहेगा और 15 अप्रैल को वृषभ राशि में चौथे भाव में प्रवेश करेगा; इसके बाद वह अपनी गति में तेज़ी लाएगा और 9 सितंबर को मिथुन राशि में पांचवें भाव में प्रवेश करेगा और उसके बाद 17 नवंबर को वक्री होकर वृषभ राशि में चौथे भाव में प्रवेश करेगा।

पेशा

पेशेवर लोगों के लिए यह साल बहुत अच्छा रहेगा। साल की शुरुआत में आपको वरिष्ठ अधिकारियों, महत्वपूर्ण लोगों या अनुभवी लोगों से अच्छा सहयोग मिलेगा, जिसके परिणामस्वरूप आपको अपने काम में सफलता मिलेगी। आपके व्यवसाय में आने वाली कई बाधाओं के बावजूद, आप न केवल लाभ कमाएँगे, बल्कि अपने व्यवसाय का विस्तार भी करेंगे। सरकारी सौदों से आपको दोगुना लाभ होगा। आपको नए निवेशक भी मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिलेगा और आपके वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा।

धन, संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति की दृष्टि एकादश भाव पर रहेगी, जिसके कारण धन का निरंतर प्रवाह बना रहेगा और आप कोई पुराना कर्ज़ चुकाने में सक्षम होंगे। आप परिवार में होने वाले शुभ कार्यों पर धन व्यय करेंगे। 15 अप्रैल के बाद आपको ज़मीन, मकान या वाहन से लाभ होगा। आपको अपने ससुराल वालों से भी लाभ होगा। अनुकूल व्यावसायिक परिस्थितियों के कारण आपकी बचत में वृद्धि होगी। आपको रुका हुआ धन वापस मिलेगा। हालाँकि निवेश के लिए यह समय अनुकूल है, फिर भी निवेश के क्षेत्र में किसी विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित रहेगा।

घर, परिवार और समाज

पारिवारिक जीवन के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आपकी शक्ति और कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। आपके द्वारा किए गए सामाजिक हित के कार्य आपको समाज में मान-सम्मान दिलाएँगे। अप्रैल के बाद घर का माहौल बहुत सौहार्दपूर्ण रहेगा। आपको न केवल अपने माता-पिता का, बल्कि अपने पूरे परिवार का भी पूरा सहयोग मिलेगा। इस दौरान घर में होने वाले शुभ कार्यों में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। 27 अगस्त के बाद आप अपनी पत्नी के खराब स्वास्थ्य के कारण मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं।

बच्चे

संतान के लिए यह वर्ष सामान्य रूप से सामान्य रहेगा। वर्ष की शुरुआत में आपके बच्चे अपनी कड़ी मेहनत के बल पर अच्छी प्रगति करेंगे और अपनी बुद्धि का उपयोग करके अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। अप्रैल के बाद का समय आपके दूसरे बच्चे के लिए अच्छा रहेगा। बच्चों के परिश्रम के कारण आपको समाज में मान-सम्मान, नाम और प्रसिद्धि मिलेगी। यदि आप एक और संतान की इच्छा रखते हैं तो गर्भधारण के लिए यह समय अनुकूल है।

धार्मिक

यह वर्ष धार्मिक कार्यों के लिए उत्तम है और विशेष रूप से वर्ष की शुरुआत में आपकी धार्मिक गतिविधियों में रुचि रहेगी। आप नियमित रूप से अपने दैनिक पूजा-पाठ करते रहेंगे। बृहस्पति के गोचर के बाद यंत्र, मंत्र और तंत्र में आपकी आस्था बढ़ेगी। चतुर्थ भाव में बृहस्पति का प्रभाव आपको परिवार की शांति और समृद्धि के लिए यज्ञ या अन्य पूजा-पाठ करने के लिए प्रेरित करेगा। 1. अपने घर में श्वेतार्क गणपति की स्थापना करें। 2. अपने घर में पारद शिवलिंग स्थापित करें और नियमित रूप से उसके दर्शन करें। 3. काले धागे में आठ मुखी रुद्राक्ष गले में धारण करें।

स्वास्थ्य

इस वर्ष की शुरुआत आपके स्वास्थ्य के लिए सामान्य रहेगी, लेकिन 13 अप्रैल के बाद का समय बहुत अच्छा रहेगा। आप स्वस्थ और हृष्ट-पुष्ट रहेंगे। चूँकि शनि छठे भाव में स्थित है, इसलिए यह आपके उत्साहवर्धक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ा रहा है, जिससे आप अत्यधिक ऊर्जावान रहेंगे। आप अपनी दिनचर्या में नई गतिविधियाँ शामिल करेंगे, जैसे जिम जाना या रोज़ाना सैर पर जाना आदि। 27 अगस्त के बाद लग्न पर शनि की दृष्टि होगी, जिसके कारण आप अपने खान-पान पर नियंत्रण नहीं रख पाएँगे और स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आपको अपने खान-पान में अनुशासन बनाए रखने और लापरवाही से बचने की सलाह दी जाती है। किसी भी आर्थिक मामले को लेकर तनाव लेने से बचें, अन्यथा आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है।

यात्रा और स्थानांतरण

यह वर्ष आपकी यात्राओं के लिए शुभ रहेगा। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति का तृतीय भाव पर गोचर प्रभाव समय-समय पर छोटी और लंबी दूरी की यात्राओं का कारण बनेगा। जो लोग अपने गृहनगर या निवास स्थान से दूर रहते हैं, वे 15 अप्रैल के बाद अपने गृहनगर या निवास स्थान की यात्रा करेंगे। बृहस्पति, राहु और शनि की द्वादश भाव पर दृष्टि विदेश यात्रा के प्रबल संकेत दे रही है; इसलिए इस अवधि में आप कई विदेशी यात्राएँ करेंगे।

कैरियर और प्रतियोगिता

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए यह वर्ष अत्यंत लाभकारी रहेगा। सभी प्रतिस्पर्धियों को परास्त करते हुए आप प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करेंगे। विद्यार्थियों की तकनीकी विषयों में रुचि बढ़ेगी। रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, जिनका लाभ उठाकर आप अपने करियर में सफलता प्राप्त करेंगे। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्र अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे। 27 अगस्त के बाद आलस्य की प्रवृत्ति आपकी सफलता में बाधा उत्पन्न करेगी, इसलिए अगस्त के बाद आपको आलस्य और अति आत्मविश्वास का त्याग कर व्यावहारिक बनना चाहिए।